20 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/19/2026 11:04 PM Page 1

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 137- शुक्रवार 20- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

राष्ट्रपति मुर्मु ने अयोध्या में किया रामलला का दर्शन

तमिलनाडु से लाए श्रीराम यंत्र की स्थापना की...मंदिर परिसर देखा...

रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण संभव : राष्ट्रपति

अयोध्या,19 मार्च 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि रामराज्य के आदर्शों के पालन से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद देश की जनता को संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इसी अयोध्या यानी अवधपुरी और आस-पास की लोक-भाषा में संत कवि तुलसीदासजी ने 'श्री रामचरितमानस' की रचना की थी। रामचरितमानस में प्रभु श्रीराम सीताजी से कहते हैं कि यद्यपि सबने वैकुंठ का बखान किया है तथा वह वेद पुराणों में वर्णित है, जग-प्रसिद्ध है, लेकिन वैकुंठ भी मुझे अवधपुरी जितना प्रिय नहीं है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवरात्रि के पहले दिन अयोध्या के राम मंदिर पहुंचीं। उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर को भी देखा। सीएम योगी ने राष्ट्रपति को मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी।

राष्ट्रपति ने कहा...अयोध्या में प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया था। इस पवित्र भूमि पर कदम रखना ही मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राष्ट्रपति करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने उनका स्वागत किया।

सीएम योगी बोले...देश में आज राम राज्य

योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- देश में आज राम राज्य है। दुनिया के तमाम देशों में आज उथल-पुथल मची हुई है। युद्ध चल रहा है। जबकि भारत में शांति है। हम यहां शान्तिपूर्वक श्रीराम यंत्र की स्थापना कर रहे हैं। ये नया और बदलता हुआ भारत है। उन्होंने कहा- लोग पहले कहते थे ये दिगभ्रमित भारत है, लेकिन ऐसा नहीं है। भारत आज दुनिया के तमाम देशों को दिशा दिखाने का काम कर रहा है। आज लोग नया साल मनाने के लिए बाहर कम मंदिरों में अधिक जाते हैं। राम मंदिर निर्माण में जिन राम भक्तों ने अपनी आहुति दी है। उनको मैं यहां से नमन करना हूं। उन्होंने कहा- जिस आस्था को पहले अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो यूपी या देश की सत्ता में रहते थे। अपनी सत्ता को बचाने के लिए वे नोएडा नहीं जाते थे, वह उनके लिए अंधविश्वास और रूढ़िवादी नहीं था। लेकिन, राम मंदिर की बात करना, काशी में काशी विश्वनाथ धाम के निर्माण की बात करना और मथुरा वृंदावन की बात करना, उनके लिए अंधविश्वास का पर्याय था।

राष्ट्रपति बोलीं...राम जन्मभूमि पर कदम रखना सौभाग्य की बात

राष्ट्रपति ने कहा- अयोध्या में प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया था। इस पवित्र भूमि पर कदम रखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। भगवान राम ने अपनी जन्मभूमि को स्वर्ग से भी बढ़कर बताया था। अयोध्या नगरी सभी राम भक्तों के लिए भी सबसे अधिक प्रिय है। उन्होंने कहा- लंका विजय के बाद भगवान राम का माता सीता और भाइयों के साथ अयोध्या लौटने का कलात्मक चित्रण संविधान के पृष्ठों पर देखने को मिलता है। मुझे इस चित्र को देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है। उन्होंने कहा...प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर मैंने प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखा था, जिसमें कहा था कि राम मंदिर का निर्माण और इसका साक्षी बनना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। हम लोग विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। 2040 या उससे पहले हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

राज्यपाल बोलीं...अयोध्या आस्था, संस्कार और विरासत की भूमि

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि अयोध्या आस्था, संस्कार और विरासत की भूमि है। आज का दिन देशवासियों के लिए हमेशा यादगार रहेगा। नवरात्रि के पहले दिन राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना हो रही है। इस पावन कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या वैश्विक चेतना का केंद्र बन चुकी है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ रहे हैं। भारत ने दुनिया को 'वसुधैव कुटुंबकम' का संदेश दिया है। यह भी सिखाया है कि सत्य की हमेशा जीत होती है। इसी कारण आज दुनिया बड़े से बड़े संकट के समाधान के लिए भारत की ओर देख रही है।

जेल से बाहर आएंगे अनंत सिंह

दुलारचंद यादव मर्डर केस में मोकामा विधायक को पटना हाईकोर्ट से जमानत

पटना,19 मार्च 2026। मोकामा से विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दुलारचंद यादव हत्या मामले में पटना के बेऊर जेल में बंद अनंत सिंह को कोर्ट ने जमानत दे दी है। कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे शुक्रवार या शनिवार तक जेल से बाहर आ सकते हैं। उनके समर्थक अब उनकी रिहाई का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में राज्यसभा चुनाव के दौरान अनंत सिंह जेल से बाहर आकर बिहार विधानसभा पहुंचे थे और अपना वोट डाला था। उसी समय उन्होंने बड़ा बयान दिया था कि अब आगे उनके परिवार के लोग राजनीति करेंगे। जब वे वोट देने विधानसभा पहुंचे थे, तब पत्रकारों ने उनसे पूछा था कि वे जेल से बाहर कब आएंगे। इस पर अनंत सिंह ने कहा था कि उनके समर्थक उदास न हों, वे एक से दो महीने के अंदर बाहर आ जाएंगे। इससे पहले विधायक पद की शपथ लेने के लिए भी अनंत सिंह जेल से विधानसभा आए थे। शपथ लेने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था। उस समय उन्हें शपथ लेने के लिए पटना सिविल कोर्ट से अनुमति मिली थी। अनंत सिंह ने यह भी कहा था कि जब तक नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में सक्रिय रहेंगे, तब तक ही वे राजनीति में रहेंगे।

'संघ की अच्छाई को विरोधी और कम्युनिस्ट भी स्वीकार करते हैं' : मोहन भागवत

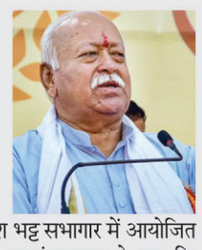

नागपुर,19 मार्च 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में कहा कि अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। सर संघचालक डॉ. भागवत आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉ. विलास डांगरे की मौजूदगी में स्थानीय सुरेश भट्ट सभागार में आयोजित एक साक्षात्कार कार्यक्रम में बोल रहे थे। सरसंघचालक ने कहा कि परस्पर प्रेम और आत्मीयता के कारण ही संघ और उसका कार्य बढ़ा है। जब तक दो व्यक्ति एक-दूसरे से मिलते रहेंगे, तब तक संघ समाप्त नहीं होगा। अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अनुकूलता एक बड़ी चुनौती होती है और पतन की शुरुआत भी अनुकूलता से ही होती है। अभी तक संघ का स्वयंसेवक प्रसिद्धि के अनुरूप नहीं बना है और ऐसा न हो, इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। अनुकूल परिस्थितियों में कार्य कैसे किया जाए, यह विषय बौद्धिक वर्ग में चर्चा का विषय होता है। स्वयंसेवकों को अनुकूलता का दुष्प्रभाव न हो, इस पर विचार और प्रयास निरंतर जारी हैं। संघ प्रमुख ने बताया कि पिछले 100 वर्षों में संघ का कार्य व्यापक हुआ है, इसलिए संरचना का विकेंद्रीकरण आवश्यक हो गया। कार्य के दौरान कई बार शासन-प्रशासन से संपर्क होता है, इसलिए अलग व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई। इसी विचार से प्रांत के स्थान पर अब 'विभाग' की संरचना बनाई गई है। लोगों से मित्रता स्थापित करना और अपने उदाहरण से परिवर्तन लाना ही संघ की कार्यपद्धति है। समय के अनुसार स्वरूप बदलता है, परंतु कार्यपद्धति वही रहती है।

सीबीआई ने अनिल अंबानी से आठ घंटे तक की पूछताछ

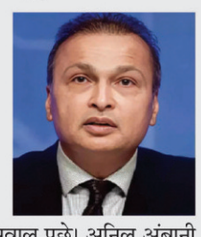

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अंबानी और ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक अमित डांगी से गुरुवार को पूछताछ की। जांच एजेंसी ने अनिल अंबानी से आठ घंटे और डांगी से करीब सात घंटे तक कई सवाल पूछे। अनिल अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को भी बुलाया गया है। सीबीआई ने बताया कि अनिल अंबानी आज जांच एजेंसी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचे और उनसे लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की गई। उन्हें शुक्रवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह मामला 21 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इसमें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित कुछ अज्ञात लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है। शिकायत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने की थी, जो 11 बैंकों के कंसोर्टियम की लीड बैंक है। फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 2013 से 2017 के बीच समूह कंपनियों के बीच जटिल लेन-देन के जरिए बड़े पैमाने पर फंड डायवर्जन और दुरुपयोग किया गया।

भविष्य के युद्धों में ड्रोन अहम,भारत को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत को ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में मजबूत और आत्मनिर्भर बनना होगा। रक्षा मंत्री ने रूस-यूक्रेन वॉर और ईरान-इजराइल संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि इन संघर्षों ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले समय के युद्धों में ड्रोन और ड्रोन को रोकने वाली तकनीक बहुत महत्वपूर्ण होने वाली है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया इन युद्धों को देख रही है और उनसे सीख रही है। भारत को भी इससे सबक लेते हुए ड्रोन निर्माण के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। ड्रोन तकनीक में पूरी आत्मनिर्भरता जरूरी : रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को ड्रोन बनाने के लिए किसी दूसरे देश पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसके लिए देश में ऐसा तंत्र तैयार करना होगा जिससे ड्रोन से जुड़ी हर तकनीक और उपकरण भारत में ही बनें। उन्होंने घरेलू रक्षा कंपनियों और सरकारी अधिकारियों से कहा कि देश की रक्षा तैयारियों और रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए यह बेहद जरूरी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ पूरा ड्रोन बनाना नहीं है। इसके हर छोटे-बड़े हिस्से का निर्माण भी भारत में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रोन का ढांचा, संचालन से जुड़ा कार्यक्रम, इंजन और बैटरी जैसी सभी चीजें भारत में ही तैयार होनी चाहिए। हालांकि उन्होंने माना कि यह काम आसान नहीं है,क्योंकि कई देश ड्रोन तो बनाते हैं लेकिन उनके जरूरी हिस्से दूसरे देशों से मंगाते हैं।

रक्षा मंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक तकनीक और स्वचालन जैसी नई तकनीकों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें आज दुनिया भर में निर्माण के तरीकों को तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अनुकरण आधारित तकनीक आने वाले समय में नए अवसर पैदा कर सकती है। सम्मेलन में देश की कई प्रमुख रक्षा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल में वाममोर्चा की दूसरी सूची जारी,32 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान

कोलकाता,19 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर वाममोर्चा ने गुरुवार को अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी। इस सूची में 32 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। दूसरी सूची के साथ अब तक कुल 224 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जा चुके हैं। दूसरी सूची के अनुसार,कालचिनी (एसटी) सीट से आरएसपी के पासंग शेरपा को उम्मीदवार बनाया गया है। करनदिघी से माकपा के एमडी साहाबुद्दीन और हबीबपुर से बसुदेव मुर्मू को टिकट दिया गया है। चांचल से अनवारुल हक, भगवानगोला से महमूदुल हसन और रानीनगर से जमाल हुसैन को उम्मीदवार बनाया गया है। नवग्राम (एससी) सीट से पूर्णिमा दास और जलंगी से यूनुस अली सरकार को टिकट मिला है। कृष्णनगर उत्तर से अद्वैत विश्वास,कृष्णगंज (एससी) से अर्चना विश्वास और कल्याणी (एससी) से सबुज दास को उम्मीदवार बनाया गया है। बसिरहाट दक्षिण से ऐनुल आरफिन को मैदान में उतारा गया है। कुलतली (एससी) से रामशंकर हालदार, जयनगर (एससी) से अपूर्व प्रमाणिक और बारुईपुर पश्चिम से लायक अली को उम्मीदवार बनाया गया है।

असम चुनाव...बीजेपी की पहली लिस्ट में 88 नाम सीएम हिमंता 7 वीं बार जालुकबारी से लड़ेंगे...

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गुरुवार को अपने कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी की। इसमें सीएम हिमंता बिस्व सरमा सहित 88 नाम हैं। हिमंता अपनी परंपरागत सीट जालुकबारी से चुनाव लड़ेंगे। वे सातवीं बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। 25 दिन पहले भाजपा में आए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को भी टिकट दिया गया है। भाजपा ने एक दिन कांग्रेस छोड़कर पार्टी जॉइन करने वाले सांसद प्रद्युत बोरदोलोई को दिसपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। इधर, प्रद्युत बोरदोलोई के बीजेपी में शामिल होने के बाद उनके बेटे प्रतीक बोरदोलोई ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। प्रतीक ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में कहा कि अब उनका कांग्रेस उम्मीदवार बने रहना सही नहीं होगा। प्रतीक ने कहा...मैं पूरी जिम्मेदारी और सम्मान के साथ मार्घेरिटा सीट से अपनी उम्मीदवारी वापस ले रहा हूं। यहां के लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उम्मीदवार को लेकर स्पष्टता और भरोसा मिलना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी सूची,112 सीटों पर नामों का ऐलान

कोलकाता,19 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी। इस सूची में 112 विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इसके साथ ही पहली सूची में एक उम्मीदवार का नाम भी बदला गया है। इससे पहले भाजपा ने पहली सूची में 144 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। दूसरी सूची जारी होने के बाद अब 38 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित होने बाकी हैं। दूसरी सूची के अनुसार,हावड़ा के श्यामपुर से हिरण चट्टोपाध्याय को टिकट दिया गया है। सोनारपुर दक्षिण सीट पर रूपा गांगुली को उम्मीदवार बनाया गया है, जहां उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस की लवली मैत्रा से होने की संभावना है। बैरकपुर के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह को नोआपाड़ा से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं बैरकपुर विधानसभा सीट से अधिवक्ता कौस्तव बागची को टिकट दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कूचबिहार के पूर्व सांसद निशीथ प्रमाणिक को माथाभांगा से उम्मीदवार बनाया गया है। टॉलीगंज से पापिया अधिकारी और जादवपुर से शर्बरी मुखोपाध्याय को टिकट मिला है। कृष्णगंज सीट से मौजूदा विधायक आशीष विश्वास का टिकट काटकर सुकांत विश्वास को उम्मीदवार बनाया गया है। मतुआ बहुल क्षेत्र माने जाने वाले बनगांव उत्तर, बनगांव दक्षिण और गोघाटा में क्रमशः अशोक कीर्तनिया,स्वपन मजूमदार और सुभ्रत ठाकुर को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है। हाबरा से देवदास मंडल,जगद्दल से पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार और विधाननगर से चिकित्सक शारद्वत मुखोपाध्याय को उम्मीदवार बनाया गया है।

सिलेंडर की पैनिक बुकिंग में कमी : केंद्र सरकार

ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94% तक पहुंची,अमेरिका से एलपीजी की सप्लाई हो रही,कीमतों में बढ़ोतरी नहीं

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने गुरुवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल और गैस संकट पर मौजूदा हालात की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी (गल्फ) असीम महाजन ने कहा कि यह सिर्फ भारत ही नहीं,बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय के लिए परीक्षा की घड़ी है। पेट्रोलियम मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने बताया कि युद्ध के कारण एलपीजी की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि,देश में किसी भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के पास सिलेंडर की कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देश में ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94% पहुंच गई है। करीब 83% रीफिल डिलीवरी 'डिलीवरी ऑथेंटिकेट' कोड के जरिए हो रही है। पैनिक बुकिंग में कमी आ रही है। सुजाता शर्मा ने बताया, 'भारत में करीब 70% कच्चा तेल अब होर्मुज स्ट्रेट के बाहर के क्षेत्रों से आ रहा है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण दबाव जरूर है, लेकिन अभी तक कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।'

सरकार ने कहा...एक दिन में 57 हजार रीफिल बुकिंग हुईं...

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई सामान्य है। 18 मार्च को करीब 57,000 रीफिल बुकिंग हुई। सरकार ने कॉमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं से सीएनजी पर शिफ्ट करने की अपील की और बताया कि कई कंपनियों ने इसके लिए इंसेंटिव भी घोषित किए हैं। सुजाता शर्मा ने कहा कि मिडिल ईस्ट में हालात का सीधा असर भारत की एनर्जी सप्लाई पर पड़ता है, इसलिए सरकार अन्य जगहों से भी सप्लाई लेने की कोशिश कर रही है।

पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से की बात

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह से बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर बात की और हाल की घटनाओं पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने कुवैत पर हुए हमलों की कड़ी निंदा भी की। पीएम मोदी ने क्राउन प्रिंस से कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और बिना रुकावट के जहाजों का निकलना भारत के लिए बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कुवैत में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा के लिए क्राउन प्रिंस का धन्यवाद भी किया,क्योंकि वहां बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है। वहीं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव सी. सेंथिल राजन ने एलएनजी सेवाओं से जुड़े सोशल मीडिया फ्रॉड को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा...एलएनजी उपभोक्ता सोशल मीडिया पर फैल रहे फर्जी संदेशों से सावधान रहें। ऐसे संदेशों पर भरोसा न करें और जरूरत पड़ने पर पुलिस में शिकायत करें।

मिडिल-ईस्ट तनाव के कारण देश में एलपीजी संकट

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। इसी बीच खबरें आई थीं कि अगर ग्राहकों ने ई-केवाईसी नहीं कराया, तो उनका गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा।

देश के ऊर्जा क्षेत्र में योगदान दें वैश्विक निवेशक : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने उनसे भारत में ''निर्माण,निवेश, नवाचार एवं विस्तार'' करने का भी आग्रह किया। यशोभूमि में आयोजित 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन' 2026 में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लिखित संदेश पढ़ा, जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं वैश्विक समुदाय को भारत में निर्माण करने,भारत में नवाचार करने, भारत में निवेश करने और भारत के साथ विस्तार करने के लिए आमंत्रित करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन सार्थक संवाद एवं स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देगा,जो भारत की वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करेंगी।'' उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पूरे बिजली व ऊर्जा तंत्र को एक मंच पर लाना है, ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो, सहयोग को बढ़ावा मिले और विकास व जीवन स्तर सुधार के लिए साझा मार्ग तैयार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह विकास को ऊर्जा प्रदान करने एवं स्थिरता लाने, वैश्विक स्तर पर जुड़ने और 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और हम अवसंरचना को मजबूत कर रहे हैं तथा सभी के लिए विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की प्रगति इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मोदी ने कहा कि 50 फीसदी से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पहले ही हासिल की जा चुकी है और 2030 तक 500 गीगावाट का स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' जैसी पहल वैश्विक सहयोग के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, बैटरी विनिर्माण को आगे बढ़ाने, हरित रोजगार सृजन और साहसिक सुधारों के माध्यम से निवेश को सक्षम बनाने में एक विश्वसनीय ऊर्जा भागीदार के रूप में उभर रहा है।

20 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/19/2026 11:04 PM Page 2

संपादकीय

बेरोजगार स्नातक

सरकारी नौकरियों की घटती संख्या,निजी क्षेत्र की जरूरतों में बदलाव, बढ़ती आबादी तथा रोजगारपरक शिक्षा के अभाव में देश में रोजगार के अवसर कम हुए हैं। कहा जाने लगा है कि अब केवल शिक्षा ही रोजगार की गारंटी नहीं रह गई है। हाल के कुछ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले दिनों इस कटु सत्य को बयां करती 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट बताती है कि देश में चालीस प्रतिशत युवा स्नातकों को बेरोजगार रहना पड़ता है। साथ ही उनमें से केवल सात फीसदी को ही एक वर्ष के भीतर स्थिर वेतन वाली नौकरियां मिल पाती हैं। निस्संदेह, हाल ही में सामने आए ये आंकड़े देश में रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा तक पहुंच के बीच के असंतुलन को ही उजागर करते हैं। उल्लेखनीय है कि अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार,प्रत्येक वर्ष करीब पचास लाख स्नातक देश के कार्यबल में प्रवेश करते हैं। लेकिन उनमें से मुश्किल से आधे ही रोजगार पा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कम सुरक्षित व कम वेतन वाली नौकरियां ही मिलती हैं। निश्चय ही दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश के लिये यह सुखद संकेत नहीं कहा सकता है। अन्य शब्दों में कहें तो स्नातक होने और रोजगार के अवसरों के बीच व्याप्त असंतुलन के चलते भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के कालांतर जनसांख्यिकीय दायित्व में तब्दील होने का खतरा पैदा हो रहा है। जिसे देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। विशेषज्ञों का अनुमान है कि देश में कामकाजी उम्र की आबादी के साल 2030 से पहले चरम पर पहुंचने का आकलन है। इस स्थिति में चिंता जतायी जा रही है कि देश में युवा ऊर्जा के सदुपयोग करने का अवसर तेजी से कम होता जा रहा है। निर्विवाद रूप से यदि भविष्य में पर्याप्त और लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा नहीं किए जाते हैं तो देश में बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं के कुंठित होने का खतरा पैदा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रोजगार परिदृश्य पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि देश को शिक्षित युवाओं में लगातार बढ़ती निराशा,स्थिर आय और धीमी आर्थिक गतिशीलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तव में यहां प्रश्न केवल संख्या का ही नहीं है वरन यह रोजगार की गुणवत्ता का भी सवाल है। देश में कई स्नातक ऐसे संस्थानों से निकलते हैं, जो शिक्षकों की कमी,पुराने पाठ्यक्रम और कमजोर उद्योग संबंधों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विडंबना यह भी है कि देश में कुशल श्रम को रोजगार देने में सक्षम क्षेत्र,मसलन विनिर्माण और उच्च मूल्य वाली सेवाएं पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुई हैं। इसका परिणाम यह है कि डिग्री की संख्या रोजगार बाजार में मांग की संख्या के अनुपात में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर,निर्विवाद रूप से देश के रोजगार बाजार में सकारात्मक रूप से भी प्रगति के संकेत मिल रहे हैं।

जाति और लिंग से जुड़ी व्यावसायिक बाधाएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। हालांकि,रोजगार सृजन में समांतर वृद्धि के बिना ये उपलब्धियां महत्वहीन ही होंगी। यह भी हकीकत है कि मौजूदा परिदृश्य में देश को नामांकन बढ़ाने की प्राथमिकता से हटकर रोजगार क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो व्यावसायिक प्रशिक्षण में निवेश बढ़ाने,उद्योग तथा अकादमिक साझेदारी को दृढ़ता देने की दिशा में काम करने तथा श्रम प्रधान क्षेत्रों को मजबूत करने की जरूरत होगी। निश्चित रूप से जब हम श्रम प्रधान क्षेत्रों को प्रभावी बनाने का प्रयास करेंगे तो रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सकेगी। इसके साथ ही यह भी जरूरी होगा कि देश की आर्थिक नीति को तेजी से बढ़ते शिक्षित कार्यबल की वास्तविकताओं के अनुरूप बनाया जाए।

विश्व गौरैया दिवस पर विशेष....

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे,छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं,लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है।

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली

एक समय था जब सुबह की शुरुआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से 'मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व' की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों,रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्रोत।

परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं,लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है।

गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है,क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी,दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बढ़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी,तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा

और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता,सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा। विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं,बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प,जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए,हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए,तो गौरैया फिर से लौट सकती है। उसकी चहचहाहट फिर से हमारे जीवन में खुशियां भर सकती है। अंतत,गौरैया को बचाना हमारे अपने अस्तित्व को बचाना है। यह एक छोटा-सा कदम है,लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है-प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित और सुखद हो सकता है। अब समय आ गया है कि हम जागें, समझें और अपने कर्तव्य का निर्वहन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गौरैया की मधुर चहचहाहट को सुन सकें और प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को सहेज सकें।

हिन्दुओं का नवसंवत्सर चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा से

अशोक पटेल 'आशु'
तुम्मा,शिवरीनारायण (छ ग)

हमारे भारत मे हिंदुओ का सबसे बड़ा पर्व है 'हिन्दू नववर्ष '।जिसको विक्रम संवत या नव-संवत्सर के नाम से जाना जाता है। इसकी शुरुवात अखंड भारत के महान प्रतापी और धर्म के रक्षक राजा विक्रमादित्य जी ने किया था। और इसीलिए इसका नाम पड़ा 'विक्रम-संवत '।और इस संवत्सर को प्रति वर्ष चैत्र प्रतिप्रदा को मनाया जाता है।जिसको हिन्दू नव वर्ष के रूप में जाना जाता है।इस वर्ष हम विक्रम संवत 2080 के रूप में मना रहे हैं।जो अप्रेल कोसंवत 2082 हो जायेगा। नव संवत्सर को अलग-अलग प्रांत में अलग-अलग पर्वो से जाना जाता है। जैसे गुड़ी पड़वा,उगाड़ी, युगादि आदि।चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा को ही इस सृष्टि का आरंभ दिवस माना जाता है।इसलिए इस दिन का विशेष महत्व होता है। अतः इस दिवस को हिन्दूओं के द्वारा नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है।इसी दिन को संवत्सर,वसन्त ऋतु प्रारम्भ दिवस भी माना जाता है। चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा मनाने के और भी कई कारण है जिनमे एक कारण प्राकृतिक या नैसर्गिक कारण भी है।इस सम्बंध में भगवान श्री कृष्ण अपनी विभूतियों के संदर्भ में उल्लेख करते हुए श्रीमद्भागवत गीता में कहा हैं-

'बृहत्साम तथा साम्नां गायत्री छन्दसामहम् ।
मासानां मार्गशीर्षोऽहमृतूनां कुसुमाकरः।। '
अर्थात -
सामों में बृहत्साम,छंदों में गायत्री छंद,
मासों में मार्गशीर्ष,ऋतुओं में वसन्त,मैं ही हूँ।

अतः यह कहा जा सकता है कि भगवान श्री कृष्ण जी विभुतिस्वरूपाय वसन्त ऋतु का आरम्भ दिवस भी माना जाता है। इसके अलावा इसे मनाने का ऐतिहासिक कारण भी है। जिसमे हमें यह पता चलता है कि हमारे हिन्दू राजाओं के द्वारा विदेशी शासकों जैसे शक,हूणों को पराजित किया गया था।हमारे हिन्दू राजा शालिवाहन के कारण इसी दिवस में शालिवाहन पंचांग भी शुरू की गई। नववर्ष मनाने का पौराणिक कारण भी है। जिसमे भगवान श्री राम ने इसी दिन बाली का भी वध किया था।और इसी चैत्र शुक्ला प्रतिप्रदा के दिन अयोध्या में श्री राम जी का विजयोत्सव पर्व मनाया जाता है। इसी के प्रतीक स्वरूप धर्मध्वज फहराया जाता है।महाराष्ट्र में इसी को 'गुड़ी-पड़वा' कहा जाता है।इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा हम हिंदुओं के लिए विशेष महत्व रखता है जो हमारे लिए,हमारी सँस्कृति का एक प्रमुख हिस्सा है।जिसको संजो के रखना हमारा धर्म होना चाहिए। हमारी सनातन संस्कृति बहुत प्राचीन है,इसकी अखंड गाथा है,अपने आप में अकथनीय और अवरणीय है।पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण भी है।इसलिए उदाहरण है कि इस सनातन संस्कृति में धर्म,आस्था,विस्वास,पूजा-पाठ,अराधना,उपसना, यज्ञ,हवन स्तुति,यंत्र तंत्र मंत्र,ज्योतिष,ज्ञान कला,वास्तुकला,स्थापत्य कला,मूर्तिकला,वेद पुराण गीता भागवत,रामायण, उपनिषद,और इसकी रिचाएँ, आदि समाहित है।जिसको पाने के लिए जानने के लिए पूरे विश्व के लोग लालायित और उत्सुक रहते है।ऐसे भारत वर्ष को नमन है।

ऐसे भारत वर्ष के संबंध में पुराणों में कहा गया है- 'भारतवर्ष भारतीय उपमहाद्वीप का प्राचीन और पौराणिक नाम है, जिसका अर्थ है 'भरत की भूमि '। यह उत्तर में हिमालय से दक्षिण में समुद्र तक फैले एक विशाल, सांस्कृतिक और भौगोलिक क्षेत्र को दर्शाता है। पुराणों के अनुसार, यह नाम राजा भरत के नाम पर पड़ा। यह विविधता और समृद्ध विरासत का प्रतीक है। 'भारतवर्ष के बारे में प्रमुख तथ्य यह भी है-

पौराणिक संदर्भ

विष्णुपुराण और स्कंद पुराण के अनुसार, हिमालय के दक्षिण और समुद्र के उत्तर में स्थित भूमि भारतवर्ष है। इसके बारे कुछ और बिंदुओं के द्वारा जाना जा सकता है जैसे-

ऐतिहासिक अर्थ

'भारत' शब्द का अर्थ है ज्ञान में लगा हुआ।
भा=प्रकाश,ज्ञान,रत = लगा हुआ,जो इस भूमि की बौद्धिक और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाता है।

भौगोलिक विस्तार

यह संपूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप को कवर करता है, जो अपनी विविधता पहाड़, नदियां, संस्कृति के लिए जाना जाता है।

प्राचीनता

भारतवर्ष का उल्लेख प्राचीन महाकाव्यों महाभारत और पुराणों में प्रमुखता से मिलता है। संक्षेप में,यह कहा जा सकता है कि यह भारतवर्ष केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि एक प्राचीन धार्मिक,ऐतिहासिक,पौराणिक और सांस्कृतिक पहचान है।जो पूरे विश्व में एक अलग पहचान है।

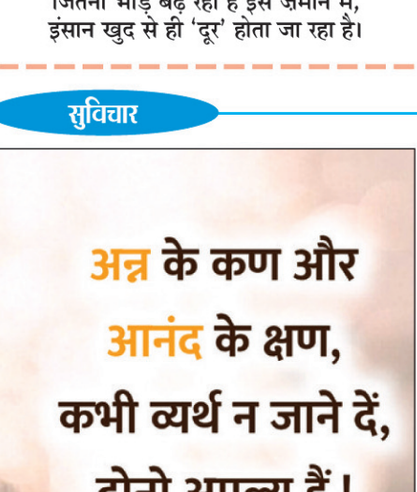

संजय एम तराणेकर
इन्दौर (मध्य प्रदेश)

जमाने की भीड़ में अकेला...!

इतनी भीड़ बढ़ रही है इस ज़माने में,
लोग उतने ही अकेले होते जा रहे हैं।
चेहरों का मेला 'हर मोड़' पर सजा है,
दिल अपने ही साये से डरे जा रहे हैं।

हँसी अब 'तस्वीरों' में सीमित रह गई,
बातें स्क्रीन तक 'सिमटते' जा रही है।
भीड़ में चलके भी कोई साथ में नहीं,
रिश्तों की डोर ढीली पड़ते जा रही है।

हर कोई मगन है अपनी उस दुनिया में,
ये वक़्त हाथों से फिसलता जा रहा है।
पास बैठकर भी इतनी दूरियाँ बढ़ गई,
कि 'अपनापन' कहीं खोता जा रहा है।

भीड़ के इस शोर में एक सन्नाटा-सा है,
जो अन्दर ही अन्दर गूंजता जा रहा है।
जितनी भीड़ बढ़ रही है इस ज़माने में,
इंसान खुद से ही 'दूर' होता जा रहा है।

सुविचार

सब्सिडी वाला प्यार

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

कानपुर के उस कटीले और कुतूहलपूर्ण कूचे में, जहाँ काकादेव के कयासों और किंदवंतियों का संगम होता है, फेसबुक के फरेबी फलक पर एक ऐसा 'मायावी मुसाफिर' अवतरित हुआ जिसने सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने का साक्षात स्वांग रचा। इस 'हवाबाज़ हुनरमंद' ने पहले अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों की चाशनी से एक भोली-भाली कन्या के हृदय में सेंध लगाई। उसने बड़ी नफासत से कहा– 'सुनो,मुझे ये सार्वजनिक जगहों की भीड़भाड़ और शोर-शराबा कतई पसंद नहीं,मैं तो तुम्हारे घर की गरिमापूर्ण दहलीज पर ही अपनी शराफत का सार्टिफिकेट देना चाहता हूँ।' यानी शिकार ने खुद ही शिकारी के लिए अपने घर का मुख्य द्वार खोल दिया और उसे 'संस्कारी दामाद' की श्रेणी में पहले ही रख दिया। दोपहर की उस दग्ध और तपती दुपहरी में, जब कानपुर के कर्मठ नागरिक कचौड़ी-रायता चापकर खर्राटों की खेती कर रहे थे, यह 'पढ़ाई-लिखाई का ढोंगी' अपनी साख और एक संदिग्ध बोरा संभालकर रंगमंच पर हाजिर हुआ। घर में घोर सन्नाटा था और मौका एकदम मनचाहा। उसने अपनी जुबान की जादूगरी से जो मायाजाल बुना, उसमें लड़की का विवेक ऐसा उलझा कि उसे सामने खड़ा ठग कोई 'अवतारी पुरुष' लगने लगा। तभी उस धूर्त ने अपनी जेब से वह 'नशीली निलांजली' यानी एक रहस्यमयी चॉकलेट निकाली। लड़की ने पूछा– 'यह क्या है?' उस 'सफेदपोश जालसाज' ने गंभीरता से कहा–'यह बड़े शहरों का विशेष प्रसाद है, इसे चखते ही जीवन की सारी परेशानियाँ और तनाव गायब हो जाएंगे।' जैसे ही उसने उस 'मीठे कुचक्र' का रसास्वादन किया, उसकी पलकें पस्त होने लगीं और वह सोफे पर इस तरह ढेर हुई जैसे भारी भरकम टैक्स लगने के बाद मिडिल क्लास की उम्मीदें धड़ाम से गिरती हैं। अब हमारे इस 'बहरूपिये बाजीगर' ने अपनी असलियत का आईना दिखाया और सीधे अंदरूनी कमरों की ओर कूच किया। अमूमन ऐसे खूंखार अपराधी तिजोरियों के ताले तोड़ते हैं, पुरतैनी गहनों की पोटली बांधते हैं या अलमारी में रखे नगद नारायण पर हाथ साफ करते हैं। पर इस विचित्र विलेन का विजन तो कुछ और ही था। उसने कीमती आभूषणों की चकाचौंध को ऐसे ठुकराया जैसे कोई डायटिंग करने वाला रसगुल्ले को दुत्कारता है। वह किसी गुप्त खजाने की तलाश में ऐसी जगह घुसा जहाँ अमूमन मेहमानों का प्रवेश वर्जित होता है। उसके चेहरे पर पसीना और आंखों में एक अजीब सी चमक थी,मानो वो दुनिया की सबसे बेशकीमती वस्तु को हासिल करने के करीब हो। उसने अपने झोले से कुछ औजार निकाले और किसी कुशल कारीगर की तरह बड़ी फुर्ती से अपने 'मिशन' को अंजाम देने लगा।

उसके लिए उस क्षण उस घर की सबसे बड़ी 'संपत्ति' वही थी जिसे वह अपने कंधे पर लादने की तैयारी कर रहा था। वह रहस्यमयी लुटेरा जिस सरगर्मी से गलियों से ओझल हुआ, उसे देखकर यमराज भी अपनी भैंस की रफ्तार पर शर्मिंदा हो जाते। मोहल्ले वाले उसे भारी बोझ के साथ भागते देख कयास लगाते रहे कि शायद दहेज का सामान वापस जा रहा है या कोई भारी मशीन चोरी हुई है। सस्पेंस का गुब्बारा तब फूटा जब उस तंद्रा-ग्रस्त तरुणी की चेतना लौटी और उसने रसोई के उस सूने सिंहासन को देखा जहाँ उसकी सुबह की चाय का आधार विराजता था। पुलिस स्टेशन में जब रिपोर्ट दर्ज हुई, तो दरोगा ने चश्मा नाक पर टिकाते हुए मुंशी से कहा– 'लिखो मुंशी,शहर में एक ऐसा आशिक आया है जो दिल की जगह चूल्हा ठंडा कर गया।' मुंशी ने तपाक से जवाब दिया– 'हुजूर, ये कलयुग का नया मोड़ है,अब आशिक लैला के घर से खत नहीं, सीधा 'सब्सिडी' और 'सप्लाई' का संगम उड़ा ले जाते हैं।' दरोगा ने ठग की फाइल बंद करते हुए टिप्पणी की–'ये चोरी नहीं है मुंशी, ये बढ़ती महंगाई के खिलाफ एक 'साइलेंट प्रोटेस्ट' है। इसे 'रसोई-क्रांति' के तहत दर्ज करो।

संसदीय समिति द्वारा ऊर्जा सुरक्षा की तैयारियों पर उठाए गए सवाल

सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम.मप्र

पेट्रोलियम मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति द्वारा ऊर्जा सुरक्षा की तैयारियों पर उठाए गए सवाल केवल एक औपचारिक टिप्पणी नहीं,बल्कि एक गंभीर चेतावनी हैं। भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए ऊर्जा केवल आर्थिक प्रगति का आधार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण स्तंभ है। ऐसे में यह तथ्य चिंताजनक है कि आपातकालीन परिस्थितियों के लिए देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त रणनीतिक भंडार नहीं है।

वर्तमान में भारत अपनी तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत और गैस का करीब 50-60 प्रतिशत आयात करता है। इन आयातों का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है,जो राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य संघर्षों के लिए जाना जाता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति किसी भी समय बाधित हो सकती है। ऐसे में यदि भारत के पास तीन से चार महीने का भी पर्याप्त भंडार नहीं है, तो यह स्थिति आर्थिक और सामाजिक संकट का रूप ले सकती है। भारत ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बनाने की दिशा में कुछ कदम जरूर उठाए हैं, जैसे विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पादुर में भूमिगत भंडारण सुविधाएं। लेकिन इनकी क्षमता देश की जरूरतों के मुकाबले बहुत सीमित है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार, कई विकसित देश 90 दिनों से अधिक का तेल भंडार रखते हैं, जबकि भारत अभी इस स्तर से काफी पीछे है। बजटीय आवंटन में कमी और खर्च की धीमी गति इस दिशा में सबसे बड़ी बाधा बन रही है। ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए केवल भंडारण बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को आयात स्रोतों का विविधीकरण करना होगा, ताकि किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके। साथ ही, अक्षय ऊर्जा स्रोतों–जैसे सौर, पवन और हरित हाइड्रोजन–को तेजी से बढ़ावा देना भी आवश्यक है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस दिशा में गति और बढ़ाने की जरूरत है। गैस आपूर्ति के क्षेत्र में भी सुधार जरूरी है। पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार, शहर गैस वितरण प्रणाली को मजबूत करना और घरेलू उत्पादन बढ़ाना ऐसे कदम हैं जो संकट के समय राहत दे सकते हैं। इसके अलावा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना–जैसे इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग और ऊर्जा बचत तकनीकों को अपनाना–भी दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा होना चाहिए। जहां तक संसाधनों के उपयोग का प्रश्न है,यह सही है कि सरकारी खर्चों की प्राथमिकताओं की समीक्षा होनी चाहिए। लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सामाजिक कल्याण योजनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाया जाए। मुफ्त योजनाओं पर पूरी तरह रोक लगाने के बजाय,उन्हें अधिक लक्षित और प्रभावी बनाना बेहतर विकल्प हो सकता है। स्पष्ट है कि ऊर्जा सुरक्षा अब भविष्य का नहीं, वर्तमान का मुद्दा है। यदि समय रहते ठोस और दूरदर्शी कदम नहीं उठाए गए, तो कोई भी वैश्विक संकट भारत की आर्थिक स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब आवश्यकता है नीतिगत दृढ़ता, बेहतर निवेश और दीर्घकालिक दृष्टि की, ताकि देश हर परिस्थिति में ऊर्जा के मोर्चे पर आत्मनिर्भर और सुरक्षित रह सके।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

C M Y K

20 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/19/2026 11:04 PM Page 3

नकली सोने का बिस्किट देकर असली सोना व 15 लाख के ठगी का आरोपी गिरफ्तार

गुजरात और प्रयागराज से पकड़े गए आरोपी,गिरफ्तार आरोपियों में तीन महिला शामिल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

निगम के कर्मचारी व उसके पूरे परिवार को झांस में लेकर नकली सोने का बिस्किुट देकर असली सोने का जेवरात लगभग 200 ग्राम व 15 लाख रुपए ठकी की गई थी। ठगी करने वाले तीन महिलाएं थे। जिसमें एक महिला निगम के कर्मचारी के घर पिछले 7-8 वर्षों से घी बेचने के लिए आती थी। निगम कर्मी अपनी बेटी की शादी के लिए जेवरात व रुपए रखे थे। मामले में कोतवाली पुलिस ने गुजरात व प्रयागराज से आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन महिलाएं शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 20.31 हजार नकद व 2 नग सोने का कंगजन लगभग 100 ग्राम का जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। ममाले का खुलासा करते हुए सीएसपी राहुल बंसल ने बताया कि प्रार्थी 8 मार्च को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि मंजू नाम की महिला करीब 7-8 वर्षों से उसके घर घी बेचने आती थी। जो अपने को राजस्थान किशनगंज की बताती थी। परिचय का फायदा उठाकर महिला होली से पूर्व सोने का बिस्किट लेकर प्रार्थी के घर आई और

बोली की घर में शादी है इसका जेवर बनवा दो, प्रार्थी बोला की ठीक है होली बाद बनवा देंगे। इसके बाद महिला होली के बाद 7 मार्च को पुनः उसके घर आई और बिस्किट देकर कही कि आपकी बेटी की शादी में अभी लेट है और मेरे घर में तत्काल शादी है, इस लिए ये सोने का बिस्किट रख लिजिए और अपनी बेटी के लिए जो जेवरात बनवाए हैं उसे और 15 लाख रुपए नकद दे दिजिए। मेरा सोने का बिस्किट आपके जेवरात से ज्यादा कीमत का है। प्रार्थी झांसे में आकर लगभग 200 ग्राम सोने का जेवरात व 15 लाख रुपए दे दिया।

जाने के बाद हुए ठगी का एहसास

जेवरात व रुपए लेने के बाद तीनों महिलाएं प्रार्थी के घर से चले गए। उनके जाने के करीब आधे घंटे बाद प्रार्थी को ठगी की आशंका होने पर वह पास के सोनार दुकान में जाकर जांच कराया जो बिस्किट नकली निकला। प्रार्थी की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा धारा 318(4), 61(2), 3(5) बी. एनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी।

गुजरात से दो आरोपी गिरफ्तार

मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी राजेश अग्रवाल ने पुलिस की विशेष टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए। साइबर सेल व सीसीटीवी फुटेज की मदद जानकारी मिलने पर टीम गुजरात रवाना हुई। वहां मंजू राठौर पति उत्तम राठौर उम्र 44 वर्ष निवासी ग्राम मुकाम गडका,थाना अजीधाम जिला राजकोट गुजरात,हालमुकाम कंपनी बाजार थाना कोतवाली अंबिकापुर व संतोष राठौर आत्मज श्यामजी राठौर उम्र 45 वर्ष साकिन गडका,थाना अजीधाम जिला राजकोट गुजरात को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के कब्जे से 7 लाख 48 हजार रुपए नकद व 1 सोने का कंगन लगभग 50 ग्राम का बरामद किया। वहीं पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अंबिकापुर लेकर आई।

दो आरोपी प्रयागराज से गिरफ्तार

पुलिस ने अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की तो अन्य आरोपियों को प्रयागराज में होना बताया। पुलिस ने प्रयागराज से आरोपी सुनीता गुजराती पति रवि गुजराती उम्र 35 वर्ष निवासी धांगतरा गुजरात हाल मुकाम भावपुरा थाना करौली प्रयागराज उत्तरप्रदेश व कमला गुजराती पिता पप्पू गुजराती उम्र 45 वर्ष निवासी धांगतरा गुजरात को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से 12 लाख 53 हजार रुपये नगद एवं सोने का एक कंगन लगभग 50 ग्राम बरामद किया गया। सभी आरोपियों से कुल 20 लाख 31 हजार रुपये नगद एवं सोने का 2 नग कंगन लगभग 100 ग्राम,4 नग मोबाइल बरामद किया है।

चारो आरोपी जेल दाखिल

आरोपियों ने शेष जेवरात को प्रयागराज में एक सोनार को बिक्री करना बताया। मामले में पुलिस ने चारो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा,सहायक उप निरीक्षक अदीप प्रताप सिंह,सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह,प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान,प्रधान आरक्षक विकास सिन्हा,महिला आरक्षक सरस्वती, आरक्षक मनीष सिंह,जितेश साहू, विवेक राय, अशोक यादव, विकास मिश्रा शामिल रहे।

आदिवासी जीवन दर्शन पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू,देश-विदेश के विद्वानों की सहभागिता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा 'आदिवासी जीवन दर्शन, इतिहास और साहित्य' विषय पर 19 मार्च को दो दिवसी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया । संगोष्ठी का उद्घाटन प्रसिद्ध आदिवासी साहित्यकार व साहित्य अकादमी नई दिल्ली के सदस्य महादेव टोप्पो ने किया। संगोष्ठी का आधार वक्तव्य प्रसिद्ध उपन्यासकार व जनजातीय शोध केंद्र के पूर्व निदेशक रणेंद्र कुमार द्वारा दिया गया। रणेंद्र कुमार ने आदिवासी दर्शन को विस्तार से व्याख्यायित करते हुए आदिवासियों के इतिहास और साहित्य पर विस्तारपूर्वक चर्चा की, आदिवासी जीवन दर्शन को उन्होंने सांख्य व बौद्ध दर्शन से जोड़ते हुए प्रकृतिवादी दर्शन के रूप में व्याख्यायित किया। महादेव टोप्पो ने अपनी बात में आदिवासियों के वैश्विक संघर्ष का चित्र खींचा और दुनिया भर के आदिवासियों के रचनात्मक योगदान की चर्चा करते हुए भारतीय आदिवासी साहित्य की परम्परा को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल सिन्हा ने कहा कि आदिवासियों का संघर्ष पृथ्वी को बचाने का संघर्ष है। प्रो. सिन्हा ने अकादमिक उत्कृष्टता को प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए इस संगोष्ठी को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कामिनी ने विषय प्रवेश करते हुए संगोष्ठी के विषय की प्रासंगिकता की विस्तृत चर्चा की व पूरे सेमीनार की रूप रेखा को सबके समक्ष रखा। संगोष्ठी की दूसरे सत्र में इलाहबाद विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. जनार्दन कुमार ने आदिवासियत की चर्चा करते हुए संविधान सभा की बहसों को सबके सामने रखा। नेपाल से जुड़े साहित्यकार अनिष श्रेष्ठ ने नेपाल के आदिवासी साहित्य और आदिवासी आन्दोलन पर अपनी बात रखी। दुबई में रहने वाले युवा अदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता व ग्राफिक डिजाइनर डॉ. अनुपम पूर्ति ने सुन्दर ग्राफिक के माध्यम मुंडा आदिवासियों की पारम्पर व पर्व त्योहार को प्रस्तुत करते हुए नवयुवकों को अपनी परम्परा से जोडने के उनके प्रयासों को दिखाया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता रणेंद्र कुमार ने की। संगोष्ठी के तीसरे सत्र में डॉ. विश्वासी एक्का ने छत्तीसगढ़ के आदिवासी साहित्य पर प्रकाश डाला। गोरखपुर उत्तर प्रदेश से आये वरिष्ठ पत्रकार मनोज सिंह ने वनटंगिया समुदाय की संघर्ष गाथा को सबके सामने रखा। इस सत्र की अध्यक्षता महादेव टोप्पो ने की। कर्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की आयोजन सचिव सुसन्ना लकड़ा, डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री व डॉ. ब्रजेश कुमार द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. दीपक सिंह ने दिया। इस अवसर पर शहर के प्रसिद्ध साहित्यकार वेद प्रकाश अग्रवाल, प्रभुनारायण वर्मा, रमेश द्विवेदी,मृदुला सिंह सहित विभिन्न जगहों से आये शोधार्थी, प्राध्यापक,महाविद्यालय के प्राध्यापक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नवरात्र के पहले दिन भक्तों ने किया माता रानी का दर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्रि की शुरूआत गुरुवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके साथ ही मंदिरों में ज्योति कलश प्रज्वलित करने और माता की आराधना के लिए भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि पर श्रद्धालुओं के बीच खास उत्साह देखा गया। भक्तों ने मंदिर पहुंच कर मां के सीधा दर्शन किए और अपने परिवार की सुख- समृद्धि की कामना की। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री के स्वरूप की पूजा हुई। गुरुवार को जगत जननी मां दुर्गा की आराधना शुभ मुहूर्त में घट स्थापना के साथ प्रारंभ हुई। शहर

के देवी मंदिरों में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। माता की एक झलक पाने के लिए सभी श्रद्धालु लालायित नजर आए। माता रानी के दरबार में माथा टेकने का सिलसिला सुबह से देर शाम तक चलता रहा। पहले दिन मां का विशेष श्रृंगार किया गया। शुभ मुहूर्त में ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। महामाया मंदिर, समलाया मंदिर,मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक,संत हरकेवल मंदिर,काली मंदिर,रघुनाथपुर मंदिर,शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में माता की आराधना करने श्रद्धालु पहुंचे। मंदिरों में देवी भागवत कथा,दुर्गा सप्तसती का पाठ व भजन-कीर्तन किया जा रहा है। चैत्र नवरात्रि पर मंदिरों के पट पूरी तरह से श्रद्धालुओं के लिए खोले गए हैं। मां के दर्शन के लिए सुबह से ही महामाया मंदिर सहित दुर्गा मंदिर, गौरी मंदिर व अन्य मंदिरों में श्रद्धालओं की लंबी कतारें लगी हुई थी। माता के मंदिर में मुख्य कलश स्थापित करने के बाद मंत्रोच्चारण के साथ ही विधिवत पूजन हुआ। इसके बाद सैकड़ों ज्योति कलश प्रज्जवलित हुए। माता के दरबार में ज्योत जलाकर भक्त मनौती पूरी होने की कामना करते नजर आए। वहीं कई भक्तों ने अपने-अपने घरों में भी ज्योति कलश स्थापित कर पूजा अर्चना की। नवरात्रि के प्रथम दिवस माता के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की गई। शैलपुत्री का अर्थ पहाड़ों वाली माता होता है। माता के इस स्वरूप की पूजा से भक्तों की मुरादें पूरी होती हैं। सभी ने श्रद्धाभाव से मां के पहले रूप की पूजा-अर्चना कर अपने व परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की।

नशीले इंजेक्शन तस्करी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

नशीले इंजेक्शन की तस्करी मामले में गांधीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के औरंगाबाद व गया जिले से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की यह कार्रवाई पहले से दर्ज एनडीपीएस प्रकरण में लगातार की जा रही जांच के बाद की गई है। पुलिस के अनुसार, 17 जून 2024 को लटोरी रोड स्थित चठिरमा बैरियर के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध आल्टो कार को रोका गया था। तलाशी में कार से 1500 रेक्सोजेसिक बुप्रेनॉर्फिन इंजेक्शन और 1500 एविल इंजेक्शन बरामद किए गए थे। मामले में पकड़े गए आरोपी पंकजधर दुबे से पूछताछ में अंबिकापुर के आरिफ हुसैन और अन्य लोगों को नशीले इंजेक्शन व सिरप बेचने की बात सामने आई। साथ ही यह भी पता चला कि बिहार निवासी रॉकी कुमार से

होलसेल में माल लिया जाता था। जांच के दौरान आरिफ हुसैन के औरंगाबाद जेल में बंद होने की जानकारी मिली। पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट के जरिए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गया (बिहार) से आरोपी रॉकी कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने मेडिकल स्टोर संचालक के माध्यम से नशीले इंजेक्शन सप्लाई करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन और सिम भी जप्त किया गया है।

हिमांश मिश्रा ने गेट परीक्षा में प्राप्त किया 181 वां रैंक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सरगवां के छात्र हिमांश मिश्रा ने प्रतिष्ठित गेट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 181 हासिल कर अंबिकापुर सहित पूरे सरगुजा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता से परिवार और शिक्षकों में खुशी का माहौल है। हिमांश मिश्रा के पिता हेमेंद्र मिश्रा महर्षि विद्या मंदिर अंबिकापुर में प्राचार्य हैं,जबकि माता अंजली मिश्रा हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी महर्षि विद्या मंदिर से ही हुई है। हिमांश ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से बीएससी फिजिक्स ऑनर्स किया। इसके बाद एमएससी फिजिक्स में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। हिमांश ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और नियमित भावातीत ध्यान (ट्रांसेंडेंटल मेडिटेशन) को दिया है। उन्होंने बताया कि नियमित पढ़ाई, अनुशासन और सकारात्मक सोच से यह सफलता संभव हुई।

भाजयुमो सरगुजा में युवाओं को नई जिम्मेदारी,जिला कार्यकारिणी एवं मोर्चा मंडल अध्यक्ष घोषित

जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से जिलाध्यक्ष निशांत सिंह शोलू ने की घोषणा,युवाओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

आज भारतीय जनता युवा मोर्चा सरगुजा की नवीन जिला कार्यकारिणी एवं भाजयुमो मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गई। यह घोषणा भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की सहमति से भाजयुमो जिलाध्यक्ष निशांत सिंह शोलू द्वारा की गई। घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, महामंत्री,मंत्री,कोषाध्यक्ष,मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एवं अन्य विभिन्न दायित्वों पर युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्षों की अनुशंसा पर युवा मोर्चा मंडल अध्यक्षों की सूची भी जारी की गई। नवीन पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर चंद्रप्रकाश चक्रधारी, शुभम् अम्बष्ट (रिशु), अभिषेक सिंह (पिंटी),रवजोत

(रमन),शुभम भदौरिया एवं आशुतोष गर्ग को नियुक्त किया गया है। वहीं अनिश सिंह एवं अविनाश मंडल को महामंत्री बनाया गया है।

मंत्री पद पर अनुराग शुक्ला, राहुल अग्रवाल, रितेश यादव (मोन्टी),ओमकारेश्वर सिंह, कौशलेंद्र गुप्ता (इल्लू) एवं सौरभ मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है।

अन्य महत्वपूर्ण पदों में कोषाध्यक्ष प्रीतेश दुबे,सह कोषाध्यक्ष अभिषेक सिंह एवं आदित्य गौतम, मीडिया प्रभारी अभिषेक माथुर, सह मीडिया प्रभारी आदित्य पाण्डेय एवं शैलेन्द्र चौबे,सोशल मीडिया प्रभारी किशन केशरी, सह सोशल मीडिया प्रभारी अमन सोनी एवं अमित मंडल, कार्यालय मंत्री अतिश पाण्डेय, सह कार्यालय मंत्री प्रिंस तिवारी, आईटी प्रमुख शशांक तिवारी, सह आईटी प्रमुख अंकित जायसवाल एवं शौर्य प्रताप सिंह तथा प्रशिक्षण प्रमुख मनीष सिंह (बिट्टू) को नियुक्त किया गया है।

इसके साथ ही भाजपा के सभी मंडलों में भी युवा मोर्चा अध्यक्षों की घोषणा की गई, इसमें महामाया के युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुधांशु चौबे, समलाया आयुष दुबे, अम्बिकापुर ग्रामीण विशाल सिंह, लखनपुर अमित अग्रवाल, रामगढ़ रमेश यादव, देवगढ़ नार सिंह, परसा रोहन मंडल, दरिमा लालू यादव, लुंड्रा अभिषेक पावले, धौरपुर धर्मेंद्र गुप्ता, कुन्नी निखिल मरावी, सीतापुर किशन उपाध्याय, बतौली पारसनाथ यादव, राजपुर संजय बेहेरा, मैनपाट धनंजय सिंह तथा निरेंद्र कुमार सारथी को नवानगर मंडल का युवा मोर्चा अध्यक्ष बनाया गया है । जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि युवा मोर्चा भाजपा की ताकत है। नई टीम संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी तथा जनसेवा के कार्यों को गति देगी। उन्होंने सभी से पूर्ण समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष निशांत सिंह शोलू ने कहा कि संगठन में युवाओं को अवसर देना भाजपा की परंपरा रही है। नई कार्यकारिणी ऊर्जावान एवं समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम है,जो संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त साथियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही।

सरगुजा में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन अभियान तेज,12 नए मरीज चिन्हित-चिकित्सकों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,19 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सरगुजा जिले में कुष्ठ रोग की पहचान, जांच एवं उपचार को लेकर व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों में विशेष निरीक्षण एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। भारत सरकार के प्रतिनिधि डॉ. मुकेश सोनी एवं डॉ. कृष्ठ मूर्ति कामले सहित जिला नोडल अधिकारी डॉ. पी.के. सिन्हा के मार्गदर्शन में आयुष चिकित्सकों एवं मेडिकल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कुष्ठ रोगियों की शीघ्र पहचान कर उनका समय पर उपचार सुनिश्चित करना है। इस दौरान विशेषज्ञ दल ने फील्ड भ्रमण कर सर्वे एवं जांच कार्यों का भी जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिले में 12 नए कुष्ठ रोगियों की पहचान की गई है। इन मरीजों का उपचार मेडिकल कॉलेज में किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि देश के 121 जिलों में कुष्ठ रोग के प्रकरण पाए गए हैं, जिनमें सरगुजा जिला भी शामिल है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया है कि कुष्ठ रोग माइकोबैक्टीरियम लेप्री जीवाणु से होने वाली एक संक्रामक बीमारी है, जो त्वचा, नसों एवं आंखों को प्रभावित करती है। यह रोग पूरी तरह से उपचार योग्य है तथा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में मल्टी ड्रग थेरेपी के माध्यम से निःशुल्क इलाज उपलब्ध है। उपचार में डैप्सोन,रिफैम्पिसिन एवं क्लो फैजिमाइन दवाओं का उपयोग किया जाता है। कम बैक्टीरिया वाले मामलों में 6 माह तथा अधिक बैक्टीरिया वाले मामलों में 12 माह तक उपचार चलता है। विशेषज्ञों के अनुसार उपचार की पहली खुराक लेने के बाद ही रोगी से संक्रमण फैलना बंद हो जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि कुष्ठ रोग के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं और भ्रांतियों से दूर रहें। विभाग का मुख्य उद्देश्य समय पर पहचान एवं समुचित उपचार के माध्यम से समाज से कुष्ठ रोग का पूर्ण उन्मूलन करना है।

C M Y K

घटती घटना
सत्य के साथ...जनहित में बात...

सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार

अम्बिकापुर,शुक्रवार 20 मार्च 2026

आजादी के दशकों बाद भी 'पाषाण युग' में वनांचल,छाल के पुल पर टिकी जिंदगी,अंधेरे में कैद विकास की हकीकत

अमृत काल में 'छिलकों' का सहारा,एमसीबी के गांवों में विकास की खुली पोल

- सड़क नहीं, पुल नहीं...बस जुगाड़, क्या यही है वनांचल का विकास मॉडल?
- सौर ऊर्जा बनी शो-पीस, अंधेरे में डूबे गांव–जिम्मेदार कौन?
- छाल के पुल पर चलती जिंदगी,सिस्टम की नाकामी की जिंदा तस्वीर
- फाइलों में दफन विकास,जंगल में भटकती जिंदगी–एमसीबी की हकीकत
- डिजिटल इंडिया बनाम 'छाल इंडिया'...एमसीबी में विकास का असली चेहरा
- 5 जी के दौर में 'खाट एम्बुलेंस' क्या यही है अमृत काल?
- हर दिन मौत से जंग...छाल के पुल पर गुजरती वनांचल की जिंदगी
- अंधेरे में सपने,कंधों पर मरीज...विकास से दूर गांवों की दर्दनाक कहानी
- दुर्गम रास्तों का बहाना या सिस्टम की नाकामी? एमसीबी में विकास गायब
- क्या सिर्फ वोट बैंक हैं ये गांव? वनांचल की बदहाली पर बड़ा सवाल

-संवाददाता-
एमसीबी,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
देश जहां 'अमृत काल' में विकास की नई ऊंचाइयों का दावा कर रहा है, वहीं छत्तीसगढ़ के नवगठित जिला एमसीबी के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में जनौरा, बडेरा और बेंगची की तस्वीर उस दावे पर गहरा सवाल खड़ा करती है,यहां के हालात बताते हैं कि विकास के आंकड़े चाहे जितने चमकदार क्यों न हों, जमीन पर हकीकत आज भी बेहद भयावह है,यहां के ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, न सड़क, न स्वास्थ्य, न शिक्षा और न ही स्थायी बिजली। मानो यह क्षेत्र आधुनिक भारत का हिस्सा न होकर किसी भूले-बिसरे युग में अटका हो।

छाल का पुलः विकास की पोल खोलती तस्वीर

इस पूरे क्षेत्र की सबसे चौंकाने वाली तस्वीर उस नदी पर बने 'जुगाड़ पुल' की है, जो शासन-प्रशासन के दावों पर करारा तमाचा है,नदी पर आज तक कोई पक्का पुल नहीं बन पाया,जबकि यही नदी गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ती है। मजबूरी में वन विभाग ने लकड़ी परिवहन के लिए साल के पेड़ों की छाल बिछाकर अस्थाई रास्ता बना दिया,आज यही छाल का पुल ग्रामीणों की जीवनरेखा बन गया है,लेकिन यह सवाल खड़ा होता है की जब विभाग का काम खत्म होगा, तब ग्रामीणों का क्या होगा?

हर दिन 'मौत का सफर'-

इस नदी को पार करना ग्रामीणों के लिए रोज की मजबूरी है, गर्मी में रेत में वाहन धंसते हैं,बरसात में नदी उफान पर होती है, सर्दियों में भी रास्ता जोखिम भरा रहता है यहां हर यात्रा एक जंग है,और हर कदम जोखिम से भरा।

स्वास्थ्य व्यवस्था : खाट ही एम्बुलेंस

स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत इतनी खराब है कि एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंचती,मरीजों को खाट पर लादकर कई किलोमीटर तक ले जाना पड़ता है, गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो रही है।

शिक्षा : सपनों पर लगा ताला

पक्की सड़क नहीं होने के कारण शिक्षक आने से कतराते हैं,स्कूल भवन जर्जर हो चुके हैं,माध्यमिक शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है,यहां बच्चों का भविष्य,रास्तों की तरह ही अनिश्चित और कठिन है।

पेयजल संकट : दूषित पानी ही विकल्प

शुद्ध पेयजल की सुविधा न होने के कारण ग्रामीण झरिया,नदी या नाले के पानी पर निर्भर हैं,जिससे बीमारियों का खतरा लगातार बना रहता है।

ऊबड़-खाबड़ रास्ते... विकास का सबसे बड़ा रोड़ा

जनौरा,बडेरा और बेंगची के रास्ते इतने खराब हैं कि, दोपहिया वाहन चलाना जोखिम भरा,चारपहिया वाहन पहुंचना लगभग असंभव, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह रास्ता किसी यातना से कम नहीं।

सौर ऊर्जा : 'सफेद हाथी' साबित हुई योजना

सरकार ने सौर ऊर्जा की सुविधा दी, लेकिन बैटरियां खराब, रखरखाव नहीं हल्की बारिश में सिस्टम बंद, नतीजा ये है की सूरज ढलते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है,जंगली जानवरों का खतरा बढ़ जाता है।

शिकायतें बेअसरः 'दुर्गम रास्ता' बना बहाना

ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की,लेकिन हर बार जवाब मिला रास्ता कठिन है,यानी समस्या भी रास्ता, और बहाना भी रास्ता।

वोट के समय वादे,बाद में भूल

हर चुनाव में नेता गांव तक पहुंचते हैं,वादे किए जाते हैं,योजनाएं गिनाई जाती हैं,लेकिन चुनाव खत्म होते ही गांव फिर उपेक्षा के अंधेरे में डूब जाते हैं।

क्या सिर्फ वोट बैंक बनकर रह गए हैं ये गांव?

- क्या उनकी अहमियत सिर्फ वोट देने तक सीमित है?
- क्या विकास सिर्फ शहरों तक ही सीमित रहेगा?

प्रशासन की जिम्मेदारीः क्या होगा स्वतः संज्ञान?

कानून प्रशासन को यह अधिकार देता है कि वह जनहित के मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, तो सवाल यह है,क्या इन गांवों की हालत इतनी सामान्य है कि उस पर स्वतः संज्ञान की जरूरत नहीं?

अंतिम निष्कर्ष है की 'अमृत काल' या 'अंधकार काल'?

एक ओर देश डिजिटल इंडिया और बुलेट ट्रेन की बात कर रहा है,दूसरी ओर ये गांव आज भी छाल के पुल और अंधेरे में जिंदगी जीने को मजबूर हैं, यह सिर्फ विकास की कमी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता है जहां योजनाएं बनती हैं,बजट पास होता है लेकिन जमीन तक कुछ नहीं पहुंचता।

मौत को दावत देती नहर! अंजनी जलाशय की लाइनिंग बनी 'खुला खतरा'

-संवाददाता-
खड़गवां,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
अंजनी जलाशय से निकली नहर, जो किसानों की सिंचाई और विकास की रीढ़ बननी थी, आज लापरवाही,घटिया निर्माण और प्रशासनिक उदासीनता का जिंदा उदाहरण बन चुकी है,जिस नहर से हरियाली और समृद्धि की उम्मीद थी,वही अब मौत का रास्ता बनती नजर आ रही है, हालात इतने खतरनाक हैं कि ग्रामीण खुलेआम कह रहे हैं– 'यह नहर नहीं,हादसे का इंतजार है। '

घटिया निर्माण का नमूनाः लाइनिंग में खुली पोल-

नहर की लाइनिंग में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं,कई जगह निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया है, दीवारों में दरारें और कमजोर संरचना साफ दिख रही है,ढलान इतनी खतरनाक है कि संतुलन बिगड़ते ही सीधा मौत के मुंह में गिरने का खतरा,यह साफ दर्शाता है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है,सवाल उठता है–क्या सिर्फ कागजों में ही काम पूरा दिखाया गया?

30 फीट गहराईः एक चूक,सीधी मौत

स्थानीय लोगों के मुताबिक नहर की गहराई लगभग 30 फीट तक है,किनारों पर कोई सुरक्षा दीवार नहीं,न रेलिंग,न बैरिकेडिंग, ऐसी स्थिति में अगर कोई गिरता है, तो बचने की उम्मीद लगभग खत्म हो जाती है,यह नहर अब ग्रामीणों और मवेशियों के लिए 'खुला मौत का कुआं' बन चुकी है।

न चेतावनी, न सुरक्षाः क्या हादसे का इंतजार?– सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कहीं भी चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए,न कोई सुरक्षा संकेत,न रोशनी की व्यवस्था,रात के समय पूरा इलाका अंधेरे में डूबा रहता है, यह लापरवाही नहीं,बल्कि सीधा-सीधा लोगों की जान से खिलवाड़ है।

हर दिन डर के साए में जी रहे ग्रामीण– नहर के आसपास रहने वाले ग्रामीण लगातार भय में जी रहे हैं, बच्चों को नहर से दूर रखना चुनौती बन गया है,बुजुर्गों के लिए रास्ता पार करना जोखिम भरा,मवेशियों के गिरने की घटनाएं कभी भी हो सकती हैं, बरसात में यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है, जब फिसलन जानलेवा रूप ले लेती है।

प्रशासन और ठेकेदार पर गंभीर सवाल

- क्या निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ?
- क्या बिना जांच के भुगतान कर दिया गया?
- क्या जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ फाइलों तक सीमित हैं?
- अगर हादसा हुआ,तो जवाबदेही तय कौन करेगा?

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा,उठी सख्त मांग...

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कड़े शब्दों में मांग की है,नहर के किनारों पर तत्काल मजबूत बैरिकेडिंग की जाए, चेतावनी बोर्ड और लाइटिंग की व्यवस्था हो, घटिया निर्माण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए,दोषी अधिकारियों और ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई हो।

हादसे से पहले जागे सिस्टम

अंजनी जलाशय की यह नहर अब 'टाइम बम' बन चुकी है, हर दिन,हर पल यहां एक बड़ी दुर्घटना का खतरा मंडरा रहा है, अगर प्रशासन अब भी नहीं जागा,तो यह केवल एक हादसा नहीं होगा,बल्कि यह सरकारी लापरवाही की ऐसी कहानी बनेगी,जिसे नजरअंदाज करना संभव नहीं होगा।

कांग्रेस संगठन में नई जान फूंकने की तैयारी प्रकाश चंद्र साहू को सोनहत ब्लॉक की कमान

-संवाददाता-
कोरिया/सोनहत,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ में आगामी चुनावों को देखते हुए कांग्रेस संगठन अब जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति में जुट गया है,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार हर वार्ड और बूथ स्तर पर कमेटियों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है,इसी कड़ी में युवा नेता प्रकाश चंद्र साहू को सोनहत ब्लॉक का प्रभारी नियुक्त किया गया है, यह नियुक्ति केवल एक पद नहीं, बल्कि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय और मजबूत बनाने की बड़ी जिम्मेदारी मानी जा रही है।

बूथ स्तर से संगठन को 'अजेय' बनाने की रणनीति– कांग्रेस की नई रणनीति साफ है बूथ जीतो, चुनाव जीतो, इसी सोच के तहत प्रत्येक वार्ड और गांव में सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार की जाएगी।

प्रकाश चंद्र साहू को यह जिम्मेदारी देकर प्रदेश नेतृत्व ने यह संकेत दिया है कि अब संगठन का फोकस पूरी तरह जमीनी मजबूती पर है।

युवा चेहरे पर दांवः कार्यकर्ताओं में उत्साह– प्रकाश चंद्र साहू लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय हैं और युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है,उनकी नियुक्ति के बाद सोनहत ब्लॉक में कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल देखा जा रहा है, स्थानीय स्तर पर यह संदेश साफ गया है कि पार्टी अब नए और सक्रिय चेहरों को आगे बढ़ाने के मूड में है।

प्रकाश चंद्र साहू का स्पष्ट संदेशः 'हर बूथ होगा अजेय '– नियुक्ति के बाद प्रकाश चंद्र साहू ने कहा प्रदेश नेतृत्व ने मुझ जैसे कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए मैं आभारी हूँ, मेरी प्राथमिकता सोनहत ब्लॉक के हर बूथ को अजेय बनाना है। हम गांव-गांव जाकर मजबूत और निष्ठावान टीम खड़ी करेंगे और कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएंगे, उनके इस बयान से साफ है कि वे आक्रामक संगठनात्मक रणनीति के साथ मैदान में उतरने वाले हैं।

कोरिया में शांति समिति की बैठक, ईद-रामनवमी व चौट्रीचंड सौहार्द से मनाने की अपील

-संवाददाता-
कोरियां,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
कोरिया 19 मार्च 2026/ आगामी त्यौहारों ईद, रामनवमी और चौट्रीचंड को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टरेट सभाकक्ष में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री सुरेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और समुदायों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान सभी से आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की गई।
अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने पुलिस प्रशासन को अलर्ट मोड में रहने और असामाजिक तत्वों तथा अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। ध्वनि प्रदूषण और परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए डीजे के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया।
रामनवमी जुलूस के लिए निर्धारित समय और रूटमैप का सख्ती से पालन कराने की बात कही गई। वहीं, नवरात्रि के दौरान सड़क किनारे खुले में मांस की बिक्री करने वाली दुकानों को अस्थायी रूप से बंद रखने का सुझाव भी बैठक में रखा गया।
जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। बैठक में उप पुलिस अधीक्षक, एसडीएम, नगरीय निकायों के अधिकारी, तहसीलदार और थाना प्रभारी भी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं ख्रिस्तपाल कुजूर आ. मार्शल कुजूर उम्र-52 वर्ष, जाति उरॉव निवासी-लक्ष्मीपुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)
यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तनुसार है जो सत्य एवं सहीं है। मेरा नाम ख्रिस्तपाल कुजूर राजस्व अभिलेख एवं बच्चो की अंक सूची में दर्ज है।
मेरा आधार कार्ड में मेरा नाम पोसपाल कुजूर पिता मार्शल कुजूर दर्ज है जो गलत है।
अतः मेरा वास्तविक नाम (ख्रिस्तपाल कुजूर) पहचाना,पढ़ा,सुना व समझा जाये जिस हेतु स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

सपथकर्ता
ख्रिस्तपाल कुजूर आ. मार्शल कुजूर
निवासी-लक्ष्मीपुर अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अंकित गोयल आ. ईश्वर गोयल उम्र-39 वर्ष, अग्रवाल निवासी-बी0एन 09 कुण्डला शहर बिहाईड अग्रशेन भवन अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)।
यह कि मेरा नाम पता उपरोक्तनुसार है जो सत्य एवं सहीं है। मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण-पत्र में नाम कायरा गोयल दर्ज है, जो सत्य एवं सही है।
यह कि मेरे पुत्री का नाम आधार कार्ड में नाम शिवाकी गोयल दर्ज है, जो गलत है।
अतः आज से मेरे पुत्री का वास्तविक नाम (कायरा गोयल) पहचाना, पढ़ा, सुना व समझा जाये जिस हेतु स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत किया है।

सपथकर्ता
अंकित गोयल आ. ईश्वर गोयल
कुण्डला शहर बिहाईड अग्रशेन भवन
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदार
दरिमा,जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0/..../ब-121/2024-25

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है - आवेदक/आवेदिका श्री रामजिला आ0 स्व0 एतवार निवासी ग्राम रेवापुर के द्वारा मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 के धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने दादी झिंगी पति घरभरन का मृत्यु दिनांक 06/03/2012 को ग्राम रेवापुर में होना बतलाते हुये उनके मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक 11/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
ना0 तहसीलदार
दरिमा,सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/..../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कौन्तेय जायसवाल आ0 स्व0 सुरेन्द्र देव जायसवाल निवासी रामानुजगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की मोहल्लाङ्कबौरीपारा, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर 06 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2175/10 रकबा 0.08 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांकः-11/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/..../अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक योगेश कुमार परमार आ.स्व. मोहन लाल हरि परमार, उम्र- 52 वर्ष जाति क्षत्रिय, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदकगण श्रीमती उषा परमार पति स्व. मोहन लाल हरि परमार वगैरह के पति / पिता मोहन लाल हरि परमार के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व आधिपत्य की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला डी. सी. रोड़ स्थित नजूल भूमि प्लाट नंबर 1863/1 रकबा 0.20त्र एकड़ एवं उस पर निर्मित परमार हॉस्पिटल बिल्डिंग तथा मोहल्ला कंपनी बाजार स्थित प्लाट नंबर 1323/1 रकबा 0.26 एकड भूमि का वसीयतनामा दिनांक 19.01.2026 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त वसीयतनामा के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक द्वारा वसीयतनामा की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो। तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/ 04 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक-10/03/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

CMYK

20 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/19/2026 11:04 PM Page 5

राजनीतिक संरक्षण में फंसा न्याय

हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद तीन साल से नहीं हट पाया नहर का अतिक्रमण

नहर की जमीन पर अवैध कब्जा,अदालत के आदेश भी बेअसर-कोरिया में प्रशासनिक भूमिका पर सवाल

हाई कोर्ट तक पहुंचा नहर अतिक्रमण मामला : आदेश जारी,लेकिन कार्रवाई अब भी अधूरी

कोरिया में न्याय बनाम राजनीति : नहर की भूमि पर कब्जा और तीन साल से चल रही कानूनी लड़ाई

-रवि सिंह-

कोरिया,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में नहर की शासकीय भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण का मामला पिछले तीन वर्षों से न्यायालय,प्रशासन और राजनीति के बीच उलझा हुआ है,स्थिति इतनी जटिल हो चुकी है कि माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेशों के बावजूद अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका है,इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और राजनीतिक संरक्षण को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,यह मामला केवल एक अवैध निर्माण का नहीं,बल्कि उस व्यवस्था का उदाहरण बन गया है जिसमें अदालत के आदेश,प्रशासनिक कार्रवाई और राजनीतिक प्रभाव आपस में टकराते नजर आ रहे हैं।

उठ रहे कई सवाल

अगर यह भूमि शासकीय नहर की है तो अब तक अतिक्रमण क्यों नहीं हटाया गया?

हाई कोर्ट और राजस्व अधिकारियों के आदेश के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

और अगर निर्माण अवैध है तो फिर एनओसी कैसे जारी की गई?

कोरिया में 'नया नियम'? नहर की जमीन पर कब्जे को भी मिल सकती है NOC

पहले बताया अतिक्रमण,अब दे दी अनापत्ति: कोरिया में नहर भूमि विवाद पर बड़ा खुलासा

नहर पर बना चौक या फाइलों का खेल?

2023 में अतिक्रमण, 2026 में 'नो ऑब्जेक्शन'

भांडी का 'कर्मा चौक' या फाइलों का चक्रव्यूह?

अतिक्रमण की कहानी कैसे बनी 'अनापत्ति' की सरकारी गवाही?

एक ही न्यायालय,दो आदेश...

पहले कब्जा हटाने का आदेश, बाद में अतिक्रमण ही नहीं...

एसडीएम ने भी माना अवैध कब्जा

तहसीलदार के आदेश के खिलाफ अतिक्रमणकर्ता ने एसडीएम बैकुंठपुर के समक्ष अपील दायर की,मामले की सुनवाई के बाद 7 अक्टूबर 2024 को एसडीएम ने अपने आदेश में कहा कि यह शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण का स्पष्ट मामला है,उन्होंने तहसीलदार के आदेश को सही ठहराते हुए अतिक्रमण हटाने का आदेश बरकरार रखा।

फिर पहुंचा मामला हाई कोर्ट

जब इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो शिकायतकर्ता ने दोबारा उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दाखिल कर न्याय की मांग की,इसी दौरान अतिक्रमण पक्ष ने भी उच्च न्यायालय में याचिका दायर की,लेकिन सुनवाई के दौरान न्यायालय की फटकार के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली।

आयुक्त के पास पहुंचा मामला...

इसके बाद मामला सरगुजा संभाग के आयुक्त के समक्ष अपील के रूप में पहुंचा,आयुक्त ने प्रक्रिया संबंधी एक तकनीकी कारण का हवाला देते हुए तहसीलदार और एसडीएम के आदेश को निरस्त कर दिया और प्रकरण को पुनः तहसीलदार के पास कार्यवाही के लिए भेज दिया।

फिर भी नहीं हुई कार्रवाई

आयुक्त के आदेश के बाद भी कई महीनों तक कोई कार्रवाई नहीं हुई,शिकायतकर्ता ने बार-बार तहसीलदार के समक्ष आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की,लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही, आखिरकार शिकायतकर्ता ने एक बार फिर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की।

हाई कोर्ट का दूसरा आदेश

1 सितंबर 2025 को उच्च न्यायालय ने तहसीलदार बैकुंठपुर को आयुक्त के निर्देशों के अनुसार जल्द कार्रवाई करने का आदेश दिया, लेकिन आरोप है कि इस आदेश का भी पालन नहीं किया गया।

2023 में शुरू हुआ विवाद

इस पूरे मामले की शुरुआत मई 2023 में हुई,आरोप है कि एक समाज विशेष को खुश करने के उद्देश्य से तत्कालीन कांग्रेस विधायक द्वारा नहर की भूमि पर ही भूमिपूजन कर दिया गया,इसके बाद स्थानीय कृषक के पुत्र को आशंका हुई कि नहर की जमीन पर स्थायी निर्माण किया जा सकता है,इस आशंका को देखते हुए उन्होंने एसडीएम बैकुंठपुर के समक्ष लिखित आवेदन देकर हस्तक्षेप की मांग की,हालांकि शिकायत के बावजूद तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई,आरोप है कि प्रशासनिक स्तर पर इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया।

आधी रात को हुआ निर्माण

स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब 5 और 6 जून की दरम्यानी रात को कथित तौर पर नहर की भूमि पर अवैध निर्माण कर दिया गया, बताया जाता है कि रात के समय नहर की भूमि पर दीवार खड़ी कर दी गई और वहां मूर्ति स्थापित कर दी गई, जब शिकायतकर्ता मौके पर पहुंचकर आपत्ति दर्ज कराने लगे तो उन्हें कथित तौर पर सत्ता का भय दिखाकर वहां से भगा दिया गया,अगले दिन शिकायतकर्ता ने सीधे कलेक्टर कोरिया के समक्ष शिकायत दर्ज कराई,कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम बैकुंठपुर ने मामले की जांच के लिए राजस्व निरीक्षक को मौके पर भेजा।

जांच में सामने आया अतिक्रमण

जांच के बाद राजस्व निरीक्षक बड़गांव ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट बताया कि ग्राम पंचायत भांडी में नहर की भूमि पर बिना किसी अनुमति के निर्माण किया गया है,रिपोर्ट में कहा गया कि यह भूमि सिल्फोड़ा जलाशय की माइनर नहर की भूमि है जिसकी चौड़ाई लगभग 32 फीट निर्धारित है,रिपोर्ट के साथ नक्शा,खसरा और पंचनामा भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि निर्माण कार्य नहर की जमीन पर ही किया गया है।

जल संसाधन विभाग ने भी माना अतिक्रमण

मामले में एसडीएम बैकुंठपुर ने जल संसाधन विभाग से अभिमत मांगा कि क्या इस भूमि पर अनुमति दी जा सकती है, इसके जवाब में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने 12 जून 2023 को जारी पत्र में स्पष्ट कहा कि यह नहर की भूमि है और इस पर किसी प्रकार की अनुमति या अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया जा सकता,उन्होंने अपने पत्र में यह भी लिखा कि आधी रात को किया गया निर्माण अवैध है और इसे हटाया जाना चाहिए।

तहसीलदार कोर्ट में दर्ज हुआ प्रकरण

लगातार शिकायतों के बाद प्रशासन ने इस मामले को तहसीलदार बैकुंठपुर के न्यायालय में दर्ज किया,धारा 248 के अंतर्गत अतिक्रमण का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया और सुनवाई शुरू हुई,सुनवाई के दौरान जब अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने की कोशिश की गई तो तहसीलदार ने स्थगन आदेश भी जारी किया।

हाई कोर्ट का पहला आदेश

मामले में लंबे समय तक कोई ठोस निर्णय नहीं होने पर शिकायतकर्ता ने माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दाखिल की,इस पर न्यायालय ने 29 फरवरी 2024 को आदेश जारी करते हुए कहा कि सभी पक्षों को सुनवाई का अवसर देते हुए चार माह के भीतर मामले का निराकरण किया जाए।

तहसीलदार का आदेश, फिर भी नहीं हटा अतिक्रमण

हाई कोर्ट की समय सीमा पूरी होने से तीन दिन पहले 27 जून 2024 को तहसीलदार बैकुंठपुर ने आदेश पारित किया, अपने आदेश में उन्होंने लिखा कि यह निर्माण अवैध अतिक्रमण की श्रेणी में आता है और इसे हटाया जाना चाहिए, इसके साथ ही अतिक्रमणकर्ता पर दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया, लेकिन आदेश के बावजूद न तो कब्जा हटाया गया और न ही प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई की।

अवमानना याचिका

जब अदालत के आदेश के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई तो शिकायतकर्ता ने अवमानना याचिका दाखिल की,न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार को नोटिस जारी किया और जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा, इस मामले की अगली सुनवाई मार्च 2026 के दूसरे सप्ताह में प्रस्तावित है।

नया मोड़ और जारी हुआ एनओसी

इस पूरे विवाद के बीच एक नया मोड़ तब आया जब जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता द्वारा कथित रूप से अतिक्रमणकर्ताओं को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया,यह कदम इसलिए भी विवादित माना जा रहा है क्योंकि विभाग पहले ही इस निर्माण को नहर की भूमि पर अवैध बता चुका था।

न्याय की तलाश जारी

तीन साल से चल रही इस लंबी प्रक्रिया ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या राजनीतिक प्रभाव और प्रशासनिक हस्तक्षेप के कारण न्याय की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है,फिलहाल इस मामले में सभी की नजरें मार्च 2026 में होने वाली हाई कोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं, अब देखना यह होगा कि अदालत के अगले आदेश के बाद प्रशासन अतिक्रमण हटाने की दिशा में ठोस कदम उठाता है या फिर यह मामला आगे भी इसी तरह विवाद और कानूनी प्रक्रिया में उलझा रहता है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा0) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम सूचना

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध ईमारती काष्ठ/जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - काष्ठागार मनेन्द्रगढ़
नीलाम दिनांक - 25-03-2026
नीलाम समय - प्रातः 09:00 बजे से

क्र0	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग	लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग
1	सागौन	0.000	0	11.439	436
2	साल	535.547	0	252.474	214
3	बांसा	1.313	0	0.000	0
4	साजा	6.796	0	0.000	0
5	धावड़ा	1.808	0	0.000	0
6	सतकठा	2.469	0	0.000	0
7	खैर	6.037	0	0.408	0
योगः–		553.970	0	264.321	650

जलाऊ काष्ठ			
क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
1	जलाऊ मिश्रित	497 चट्टा	116 चट्टा
योग :–		497 चट्टा	116 चट्टा

टीप -

1. केता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत स्व.रूछ. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी नंबर-252607247/3

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी,जशपुर वनमण्डल,जशपुर

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि जशपुर वनमण्डल के अन्तर्गत काष्ठागार गम्हरिया (जयपुर) में उपलब्ध निम्नांकित ईमारती एवं जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि एवं समय में ई-ऑक्शन द्वारा निर्वर्तन किया जायेगा। इच्छुक पंजीकृत व्यापारियों को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें । ई-आक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार गम्हरिया से प्राप्त की जा सकती है ।

डिपो का नाम - काष्ठागार गम्हरिया (जशपुर)
नीलाम दिनांक - 30.03.2026
नीलामी प्रारंभ - प्रातः 09:00 बजे से

प्रजाति	नीलाम में प्रस्तावित अनुमानित मात्रा						मिश्रित जलाऊ चट्टा,
	नया लाट		पुराना लाट		योग		
	लट्ठा घ.मी.	बल्ली+ डेंगरी नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली+ डेंगरी नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली+ डेंगरी नग	
1	2	3	4	5	6	7	8
सागौन	4.691	34	150.656	2699	155.347	2733	पुराना
साल	482.893	526	2325.834	7602	2808.727	8128	116
बीजा, शीशम,खम्हार	0.457	4	21.096	729	21.553	733	नया
अन्य प्रजाति	20.796	362	81.026	1602	101.822	1964	0
चिरान काष्ठ	0.000	0	3.566	0	3.566	0	
योग	508.837	926	2582.178	12632	3091.015	13558	116

उपरोक्त मात्रा में परिवर्तन संभावित है।

टीप - 01. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
02. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लाट की थप्पी एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं ।
04. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

वनमण्डलाधिकारी
जशपुर वनमण्डल जशपुर

जी नंबर-252607247/3

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क0/..../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगंण वेद प्रकाश अग्रवाल आप हरी राम अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल पिंता हरी राम अग्रवाल, दोनों जाति अग्रवाल, निवासी जवाहर नगर मनेन्द्रगढ़ रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर -01 मोहल्ला-चोपड़ापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3/72 रकबा 0.032 एकड़ भूमि एवं मकान को अनावेदक ⁼ क्रेता दिनेश कुमार सिंह पिता एस0 पी0 सिंह, जाति क्षत्रीय, निवासी शिवमंदिर के पास फुन्दुरडिहारी, अम्बिकापुर, नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिर्कय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मैन्टनेन्स खसरा सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-12.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क0/..../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका अनिता अग्रवाल पति राकेश कुमार अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी जवाहर नगर मनेन्द्रगढ़ रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर ङ्क01 मोहल्ला चोपड़ापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 9/17, 9/19 रकबा क्रमशः 0.072, 0.02 एकड़ भूमि को अनावेदक / केता दिनेश कुमार सिंह पिता एस0पी0 सिंह, जाति क्षत्रीय, निवासी फुन्दुरडिहारी, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूङ्खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27.03.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-12.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

C M Y K

20 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/19/2026 11:04 PM Page 6

कुदरगढ़ महोत्सव में 'आस्था' के नाम पर खेल? बिना टेंडर काम बांटने के आरोप

आस्था के नाम पर 'व्यवस्था' या 'कमाई का खेल'? कुदरगढ़ महोत्सव पर उठे गंभीर सवाल

धार्मिक आयोजन या 'कमाई का खेल'? कुदरगढ़ महोत्सव पर उठे गंभीर सवाल

फोन कॉल से बंट रहे काम! कुदरगढ़ महोत्सव की तैयारियों पर विवाद,आस्था के मंच पर 'व्यवस्था' पर सवाल—कुदरगढ़ महोत्सव घिरा आरोपों में

आस्था का आयोजन या सवालों का मंच?

हर वर्ष हजारों श्रद्धालु कुदरगढ़ धाम पहुंचकर मां बागेश्वरी के दर्शन करते हैं,यह महोत्सव न केवल धार्मिक महत्व रखता है,बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी जिले का एक बड़ा आयोजन माना जाता है, लेकिन इस बार चर्चा का केंद्र श्रद्धा नहीं,बल्कि व्यवस्था और कार्य आवंटन की प्रक्रिया बन गई है, स्थानीय स्तर पर उठ रहे सवालों ने इस आयोजन की निष्पक्षता पर संशय पैदा कर दिया है।

बिना टेंडर,बिना कोटेशन कैसे बंट रहे काम?

सूत्रों के अनुसार,महोत्सव से जुड़े कई कार्यों का आवंटन बिना टेंडर और बिना कोटेशन प्रक्रिया अपनाए ही किया जा रहा है,आरोप है कि कार्यों का बंटवारा तय नियमों के विपरीत हो रहा है,औपचारिक निविदा प्रक्रिया को दरकिनार किया जा रहा है,कुछ मामलों में सिर्फ फोन कॉल के आधार पर ही काम सौंपे जा रहे हैं,यदि ये आरोप सही हैं,तो यह सीधे तौर पर सरकारी वित्तीय नियमों का उल्लंघन माना जाएगा, आमतौर पर ऐसे आयोजनों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया अपनाई जाती है,जिससे निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने का आरोप

स्थानीय चर्चाओं में यह बात भी सामने आ रही है कि कार्यों का आवंटन कुछ चुनिंदा व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, यह आरोप केवल प्रक्रिया की अनदेखी तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भी संकेत देता है कि क्या पूरी व्यवस्था किसी विशेष समूह के हित में संचालित हो रही है? यदि ऐसा है,तो यह पूरे आयोजन की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
मां कुदरगढ़ देवी धाम,जो वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र रहा है,इस बार अपने वार्षिक महोत्सव को लेकर विवादों के घेरे में आ गया है। 23 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कुदरगढ़ महोत्सव 2026 की तैयारियों के बीच सामने आ रही व्यवस्थाओं ने प्रशासनिक पारदर्शिता, वित्तीय नियमों और राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जनता के बीच उठने लगे सवाल

- क्या धार्मिक आयोजनों की पवित्रता को बनाए रखा जा रहा है?
- क्या प्रशासन पारदर्शिता सुनिश्चित करने में विफल हो रहा है?
- क्या जनहित की जगह निजी हित हावी हो रहे हैं?

आस्था बनाम 'कमाई का खेल'

कुदरगढ़ महोत्सव को अब तक एक पवित्र धार्मिक आयोजन के रूप में देखा जाता रहा है,लेकिन वर्तमान हालात में यह सवाल उठना लाजिमी है क्या यह आयोजन अब कुछ लोगों के लिए कमाई का जरिया बनता जा रहा है? क्या धार्मिक आयोजनों की आड़ में निजी लाभ की राजनीति हो रही है? इन सवालों ने आम जनता के बीच भी चर्चा को जन्म दे दिया है।

नियमों की अनदेखी या मिलीभगत?

यदि बिना टेंडर और कोटेशन के कार्य दिए जा रहे हैं, तो यह स्पष्ट रूप से वित्तीय नियमों का उल्लंघन है,ऐसे में दो संभावनाएं सामने आती हैं प्रशासनिक लापरवाही,संगठित मिलीभगत यह जांच का विषय है कि यह स्थिति केवल अनदेखी का परिणाम है या इसके पीछे कोई सुनियोजित व्यवस्था काम कर रही है।

आस्था की रक्षा या व्यवस्था की परीक्षा?

कुदरगढ़ महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हजारों लोगों की आस्था का प्रतीक है। ऐसे में यदि इस पर किसी भी प्रकार का संदेह उत्पन्न होता है,तो यह केवल प्रशासनिक नहीं,बल्कि सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से भी गंभीर विषय बन जाता है,अब यह देखना होगा कि प्रशासन इन आरोपों को किस गंभीरता से लेता है और क्या पारदर्शिता के साथ इन सवालों का जवाब सामने आ पाता है या नहीं,क्योंकि अंततः सवाल सिर्फ आयोजन का नहीं,बल्कि आस्था के सम्मान और जनता के विश्वास का है।

राजनीतिक दबाव की चर्चा ने बढ़ाई चिंता- मामले को और गंभीर बनाती है वह चर्चा,जिसमें कहा जा रहा है कि कुछ प्रभावशाली नेताओं का दबाव भी इस प्रक्रिया में सक्रिय है,सूत्रों के अनुसार अगर हमारे लोगों को काम नहीं मिला तो कार्यक्रम का बहिष्कार किया जाएगा,यदि इस तरह की चेतावनियां वास्तव में दी जा रही हैं, तो यह न केवल प्रशासनिक स्वतंत्रता पर हमला है, बल्कि यह दर्शाता है कि आस्था से जुड़े आयोजन को राजनीतिक प्रभाव और शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनाया जा रहा है।

कुदरगढ़ महोत्सव में बदलाव : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अब 21 मार्च को करेंगे आगमन

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले कुदरगढ़ महोत्सव को लेकर एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है,पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आगमन 23 मार्च को होना था, लेकिन अब कार्यक्रम में संशोधन करते हुए उनका दौरा 21 मार्च 2026 को तय किया गया है, हालांकि, तीन दिवसीय कुदरगढ़ महोत्सव अपनी पूर्व निर्धारित तिथियों–23, 24 और 25 मार्च– को ही आयोजित किया जाएगा, इस बदलाव से महोत्सव के अन्य कार्यक्रमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुदरगढ़ ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम अब 21 मार्च को दोपहर 2 बजे से आयोजित होगा, उन्होंने कहा कि यह बदलाव प्रशासनिक कारणों से किया गया है,ताकि कार्यक्रम को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सके,कुदरगढ़, जो सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी अंतर्गत स्थित है, क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक स्थल है,चैत्र नवरात्र के दौरान यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और इसी अवसर पर कुदरगढ़ महोत्सव का आयोजन किया जाता है। महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक आयोजन और विभिन्न सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं,जो क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी दर्शाती हैं, ट्रस्ट की ओर से आम नागरिकों और श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे 21 मार्च को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों। साथ ही 23 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाले महोत्सव में भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें,कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री के आगमन की तिथि में बदलाव के बावजूद कुदरगढ़ महोत्सव का उत्साह और भव्यता बरकरार है, अब सभी की नजरें 21 मार्च के कार्यक्रम और उसके बाद शुरू होने वाले तीन दिवसीय महोत्सव पर टिकी हुई हैं।

सूरजपुर पुलिस की दो बड़ी कार्रवाईः कोयला चोरी और जेवरात चोरी के मामलों का खुलासा,5 आरोपी गिरफ्तार,लाखों का माल बरामद

पुलिस टीम की सक्रियता से मिली सफलता

इन दोनों मामलों में कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी और एसडीओपी अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में की गई,थाना जयनगर प्रभारी रूपेश कुन्तल एक्का, चौकी करंजी प्रभारी संतोष सिंह सहित पुलिस टीम की सक्रियता से यह सफलता मिली।

कड़ा संदेश : अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जारी

सूरजपुर पुलिस की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि जिले में चोरी और अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,अपराधियों पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, लगातार हो रही पुलिस कार्रवाई से जहां एक ओर अपराधियों में डर का माहौल है, वहीं आम जनता में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है, कोयला चोरी से लेकर जेवरात चोरी तक के मामलों का खुलासा यह दर्शाता है कि पुलिस अब अपराध पर पूरी तरह सख्त नजर बनाए हुए है।

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
जिले में अवैध गतिविधियों और चोरी की घटनाओं पर लगाम कसते हुए सूरजपुर पुलिस ने एक के बाद एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कोयला चोरी और जेवरात चोरी के मामलों का खुलासा किया है,इन कार्रवाइयों में कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और लाखों रुपये का माल बरामद किया गया है,पुलिस की इस सक्रियता से जिले में अपराधियों के बीच हड़कंप मच गया है।

कोयला चोरी का पर्दाफाश

2 आरोपी गिरफ्तार,वाहन जब्त

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर अवैध कार्यों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, इसी क्रम में एसईसीएल भटगांव क्षेत्र में कोयला चोरी की सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की,17 मार्च 2026 की रात को सीएचपी कोयला डम्प साइडिंग में कुछ लोगों द्वारा बाउंड्री के अंदर घुसकर कोयला चोरी किए जाने की सूचना मिली,मामले में थाना भटगांव में अपराध दर्ज कर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए खुशबूद्दीन अंसारी (20 वर्ष) समीउल्ला अंसारी (19 वर्ष) को गिरफ्तार किया,आरोपियों के पास से ओमनी कार सीजी 14 सीटी 0412 करीब 8 क्विंटल कोयला कीमत लगभग 8 हजार रुपये बरामद किया गया,पूछताछ में दोनों ने चोरी करना स्वीकार किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मनोज सिंह और उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

जेवरात चोरी के दो मामलों का खुलासा : 3 आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर पुलिस ने जयनगर और करंजी क्षेत्र में हुई चोरी की दो बड़ी घटनाओं का भी खुलासा किया है।

पहला मामलाः केनापारा में घर से चोरी

9 मार्च 2026 को निकिता गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 फरवरी को घर बंद कर बाहर जाने के दौरान अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर अलमारी से सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए,जांच के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों उमंग गुप्ता (24 वर्ष), बृजलाल सिंह उर्फ रोहित (19 वर्ष) हेमंत देवांगन उर्फ शिवम (20 वर्ष) को गिरफ्तार किया,आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण पायल,बिछिया,कमरधनी,मांग टीका, बाली सहित कई सामान बरामद किए गए।

दूसरा मामला

करंजी क्षेत्र की चोरी भी सुलझी- पूछताछ में आरोपियों ने एक अन्य चोरी का भी खुलासा किया, उन्होंने ग्राम सोहागपुर में दीपक उर्फ नरेश के घर में घुसकर जेवर चोरी करना कबूल किया,इस मामले में भी पुलिस ने सोने का चैन, मंगलसूत्र, अंगूठी, चांदी के सिक्के व अन्य जेवर बरामद किए, दोनों मामलों में कुल मिलाकर करीब 4 लाख रुपये के जेवर जब्त किए गए।

कुदरगढ़ महोत्सव 2026: खेल प्रतिभाओं का होगा दमदार प्रदर्शन

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
जिला प्रशासन सूरजपुर एवं माँ बागेश्वरी धाम ट्रस्ट कुदरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में कुदरगढ़ महोत्सव 2026 का आयोजन 23 से 25 मार्च तक माँ बागेश्वरी धाम, कुदरगढ़ में किया जाएगा, तीन दिवसीय इस आयोजन में खेल, संस्कृति और आध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। महोत्सव की थीम खूब खेलबो,नशा ले दूर रहबो रखी गई है, जिसका उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। महोत्सव के अंतर्गत अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता के साथ-साथ जिला स्तरीय वॉलीबाल और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, वॉलीबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिताएं केवल पुरुष वर्ग के लिए आयोजित होंगी, जिनमें सूरजपुर जिले के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है और प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है, प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए 20 मार्च 2026 शाम 5 बजे तक पंजीयन अनिवार्य किया गया है। खिलाड़ी अपने-अपने विकासखंड में नियुक्त प्रतिनिधियों से संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं, महोत्सव का विशेष आकर्षण 25 मार्च को शाम 7 बजे आयोजित मल्लखम्ब प्रदर्शन रहेगा, जिसमें पामगढ़ के खिलाड़ी अपनी अद्भुत कला और शारीरिक कौशल का प्रदर्शन करेंगे,यह प्रस्तुति दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र होगी, कुदरगढ़ महोत्सव 2026 न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगा, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश भी देगा,यह आयोजन जिले के खेल प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

अवैध शराब कारोबार पर सख्त प्रहार

चिरमिरी में आरोपी को 1 साल की सजा, 25 हजार का जुर्माना

-संवाददाता-
चिरमिरी (एमसीबी),19 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चिरमिरी पुलिस और न्यायालय की संयुक्त कार्रवाई ने एक बार फिर अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है,सख्त निगरानी और प्रभावी विवेचना के चलते एक आरोपी को दोषी ठहराते हुए न्यायालय ने उसे 1 वर्ष के कारावास और 25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

न्यायालय का सख्त फैसलाः अवैध कारोबार पर कड़ा संदेश

थाना चिरमिरी के अपराध क्रमांक 369/2025 में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चिरमिरी के न्यायालय ने आरोपी सुरेश (28 वर्ष), निवासी बगनच्चा हल्दीबाड़ी को दोषी पाया,न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि अवैध शराब का कारोबार समाज के लिए गंभीर खतरा है,ऐसे मामलों में कठोर दंड जरूरी है ताकि निवारक प्रभाव पड़े।

पुलिस की मुस्तैदीः पेट्रोलिंग के दौरान मिली सफलता

यह पूरा मामला 20 दिसंबर 2025 का है, जब चिरमिरी पुलिस टीम नियमित पेट्रोलिंग पर थी, इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध महुआ शराब लेकर बिक्री के लिए जा रहा है,सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बगनच्चा परशुराम चौक मेन रोड पर घेराबंदी की, आरोपी को मौके पर पकड़ लिया।

आरोपी सुरेश

12 लीटर महुआ शराब बरामद

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 12 लीटर अवैध हाथ भट्टी निर्मित महुआ शराब, बरामद की गई,आरोपी इसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, पुलिस ने मौके पर पंचनामा,जप्ती और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

मजबूत साक्ष्यों से हुआ दोष सिद्ध

मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया, अभियोजन पक्ष द्वारा, सशक्त साक्ष्य, गवाहों के बयान पेश किए गए, जिसके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार दिया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्रवाई

यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक झा,पुलिस अधीक्षक एमसीबी रत्ना सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक तथा नगर पुलिस अधीक्षक दीपिका मिंज के निर्देशन और मार्गदर्शन में की गई, थान प्रभारी विजय सिंह व थाना चिरमिरी पुलिस टीम, विशेषकर प्रधान आरक्षक और स्टाफ की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

अवैध कारोबारियों में हड़कंप, जनता में विश्वास

इस सख्त कार्रवाई और न्यायालय के फैसले से अवैध शराब कारोबारियों में भय का माहौल बना है,आम जनता में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

लगातार जारी रहेगी सख्ती

चिरमिरी पुलिस की यह कार्रवाई साफ संकेत देती है कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा,अवैध शराब जैसे अपराधों पर पुलिस और न्यायालय की संयुक्त सख्ती आने वाले समय में ऐसे कारोबार पर और प्रभावी रोक लगाने में मदद करेगी।

20 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/19/2026 11:04 PM Page 7

एटली का फिल्म बनाने का तरीका काफी प्रभावशाली : विजय

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विजय सेतुपति ने एटली के निर्देशन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें फिल्म बनाने का उनका तरीका काफी प्रभावशाली लगता है। उन्होंने बताया कि एटली को अच्छी तरह पता होता है कि किसी सीन या शॉट को किस तरह प्रस्तुत करना है और किस जगह उसे खास बनाना है। सेतुपति के अनुसार, निर्देशक अपने हर सीन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त रहते हैं और यही आत्मविश्वास उनके काम को अलग बनाता है। विजय सेतुपति ने कहा कि उन्हें एटली के साथ काम करना इसलिए भी अच्छा लगा क्योंकि वह अपने विजन को लेकर स्पष्ट रहते हैं और कलाकारों को भी उसी दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके मुताबिक, एटली की यही खासियत उनके साथ काम करने के अनुभव को खास बनाती है। अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म करने के पीछे एक और बड़ी वजह शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका था। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार के साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए एक खास अनुभव था और इसी कारण उन्होंने इस फिल्म के लिए हामी भरी। विजय सेतुपति के अनुसार, शाहरुख खान के साथ काम करना उनके करियर के यादगार अनुभवों में से एक रहा। फिल्म 'जवान' ने रिलीज के बाद दुनियाभर में शानदार कमाई की थी और दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुई। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और कलाकारों के दमदार अभिनय ने इसे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दिलाई थी। बता दें कि साल 2023 में रिलीज हुई यह एक्शन एंटरटेनर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी और उस वर्ष की सबसे सफल फिल्मों में शामिल रही थी। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे, जबकि विजय सेतुपति ने खतरनाक विलेन काली गायकवाड़ का किरदार निभाया था। इस फिल्म में नयनतारा और दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दी थीं। फिल्म की कहानी, एक्शन और कलाकारों के प्रदर्शन को दर्शकों से भरपूर सराहना मिली थी।

शूटिंग के समय घड़ी नहीं देखते, मोबाइल के जमाने में लंबे समय तक पेजर यूज किया, तकनीक से ज्यादा काम पर फोकस : आमिर खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान 61 साल के हो गये। करीब चार दशक लंबे करियर में उन्होंने सिर्फ हिट फिल्में ही नहीं दीं, बल्कि अभिनय और कहानी कहने के तरीके को भी नई दिशा दी है। 8 साल की उम्र में फिल्म 'यादों की बारात' से चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर कैमरे के सामने आने वाले आमिर ने आगे चलकर 'लगान', 'गजनी', '3 इडियट्स' और 'दंगल' जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई। किरदार के लिए महीनों तैयारी करना, स्क्रिप्ट पर गहराई से काम करना और हर फिल्म में कुछ नया करने की कोशिश उनकी खास पहचान बन चुकी है। इतना ही नहीं शूटिंग के दौरान आमिर घड़ी नहीं देखते है, मोबाइल के जमाने में लंबे समय तक पेजर यूज किया। उनका मानना था कि तकनीक से ज्यादा जरूरी काम पर ध्यान देना है। यही वजह है कि उन्हें इंडस्ट्री में 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है।

8 साल की उम्र में पहली बार कैमरे के सामने

आमिर खान का फिल्मों से रिश्ता बचपन से ही जुड़ गया था। वे सिर्फ 8 साल की उम्र में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म 'यादों की बारात' में नजर आए थे। यह फिल्म उनके चाचा नासिर हुसैन ने बनाई थी। उस समय आमिर को फिल्मों की दुनिया का ज्यादा अंदाजा नहीं था, लेकिन कैमरे के सामने आने का अनुभव उन्हें हमेशा याद रहा। बाद में उन्होंने अभिनय को ही अपना करियर बनाया और बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद अभिनेताओं में शामिल हो गए। उनका मानना है कि शुरुआती अनुभव ही किसी कलाकार के भीतर आत्मविश्वास पैदा करते हैं।

फिल्म सेट ही बन गया एक्टिंग स्कूल

बचपन में आमिर अक्सर अपने पिता और परिवार के साथ फिल्म के सेट पर जाया करते थे। वे घंटों बैठकर शूटिंग देखते और कलाकारों को अभिनय करते हुए देखते थे। यही उनका पहला एक्टिंग स्कूल बन गया। आमिर खान ने कहा था,'मैं प्रशिक्षित अभिनेता नहीं हूं। मैंने अभिनय किसी संस्थान से नहीं सीखा, बल्कि सेट पर देखकर सीखा। 'आमिर के मुताबिक हर फिल्म और हर किरदार उन्हें कुछ नया सिखाता है। यही वजह है कि वे हर रोल को बिल्कुल नए नजरिए से समझने की कोशिश करते हैं।

स्कूल के दिनों में स्टेट लेवल टेनिस खिलाड़ी

फिल्मों से पहले आमिर खान की जिंदगी में खेल का भी बड़ा स्थान था। स्कूल के दिनों में उन्हें टेनिस खेलने का बहुत शौक था और वे स्टेट लेवल टेनिस खिलाड़ी भी रह चुके हैं। खेल ने उन्हें अनुशासन और धैर्य सिखाया। यही गुण बाद में उनके अभिनय करियर में भी काम आए। आमिर अक्सर कहते हैं कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए लगातार अभ्यास और फोकस जरूरी होता है। खेल से मिली यह सीख उनके काम करने के तरीके में भी साफ नजर आती है।

क्यों कहा जाता है 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट'

आमिर खान को बॉलीवुड में 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है क्योंकि वे अपने किरदार के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। वे स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर किरदार की मानसिकता समझने तक हर चीज पर गहराई से काम करते हैं। आमिर खान ने कहा था,'मैं खुद को परफेक्शनिस्ट नहीं मानता। मुझे बस अपने काम से प्यार है और मैं उसे ईमानदारी से करना चाहता हूं। 'आमिर का कहना है कि किसी भी फिल्म को बेहतर बनाने के लिए पूरी टीम की मेहनत जरूरी होती है।

एक सीन के लिए कई बार रिहर्सल

आमिर खान एक सीन को परफेक्ट बनाने के लिए कई बार रिहर्सल करते हैं। अगर उन्हें लगता है कि सीन सही नहीं हुआ है तो वे बिना हिचकिचाहट के दोबारा शॉट देने के लिए तैयार रहते हैं। उनके साथ काम कर चुके कई कलाकार बताते हैं कि आमिर सेट पर बेहद फोकस्ड रहते हैं। उनका मानना है कि छोटी-छोटी चीजें ही किसी सीन को खास बनाती हैं। यही वजह है कि उनकी फिल्मों में अभिनय की गहराई अलग नजर आती है।

शूटिंग के दौरान घड़ी नहीं देखते

आमिर खान शूटिंग के दौरान समय से ज्यादा काम की गुणवत्ता पर ध्यान देते हैं। वे सीन पूरा होने तक लगातार काम करते रहते हैं और घड़ी नहीं देखते। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा था, 'फिल्म बनाना टीमवर्क है। अगर हम सब मिलकर ईमानदारी से काम करें तो परिणाम भी बेहतर आता है। '

मोबाइल के दौर में भी पेजर इस्तेमाल

जब मोबाइल फोन तेजी से लोकप्रिय हो रहे थे, तब भी आमिर खान लंबे समय तक पेजर इस्तेमाल करते रहे। वे नई तकनीक अपनाने में जल्दबाजी नहीं करते थे। उनका मानना था कि तकनीक से ज्यादा जरूरी काम पर ध्यान देना है। यही कारण है कि वे सोशल मीडिया और नई तकनीक का इस्तेमाल भी बहुत सोच-समझकर करते हैं।

सड़क किनारे पानी-पूरी खाने का किस्सा

आमिर खान की सादगी के कई किस्से मशहूर हैं। एक बार वे सड़क किनारे पानी-पूरी खाने के लिए रुक गए और आम लोगों के साथ खड़े होकर चाट खाते नजर आए। वहां मौजूद लोगों को यह देखकर काफी हैरानी हुई। इतने बड़े स्टार का इस तरह आम लोगों के बीच बिना किसी दिखावे के खाना उनके स्वभाव की सादगी को दिखाता है।

'लगान' के लिए गांव में रहकर तैयारी

फिल्म 'लगान' की शूटिंग के दौरान आमिर खान और पूरी टीम लंबे समय तक गांव में रही। इसका मकसद फिल्म के माहौल को असली बनाना था। कलाकारों ने क्रिकेट की खास ट्रेनिंग भी ली। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में आमिर खान ने बताया था, 'हम चाहते थे कि फिल्म पूरी तरह असली लगे, इसलिए हम सबने उस माहौल में रहकर काम किया। ' उनके मुताबिक यही कारण है कि फिल्म के कई दृश्य इतने वास्तविक लगे।

'गजनी' के लिए बनाया 8-पैक बॉडी

फिल्म 'गजनी' के लिए आमिर खान ने अपने शरीर को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने कड़ी ट्रेनिंग और सख्त डाइट के जरिए 8-पैक एब्स बनाए। उस समय बॉलीवुड में ऐसा ट्रांसफॉर्मेशन बहुत कम देखने को मिलता था। आमिर का यह लुक काफी चर्चा में रहा और फिटनेस के मामले में एक नया ट्रेंड भी बना।

'दंगल' के लिए वजन बढ़ाया और घटाया

फिल्म 'दंगल' के लिए आमिर खान ने पहले लगभग 95 किलो तक वजन बढ़ाया ताकि वे उम्रदराज पहलवान पिता के किरदार में असली लगें। इसके बाद उन्होंने कुछ ही महीनों में वजन घटाकर एथलेटिक लुक हासिल किया।

'हेट स्टोरी 3' के बाद जरीन की अभिनय क्षमता पर उठाए थे सवाल

हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान ने कई खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म हेट स्टोरी 3 के बाद उन्हें इंडस्ट्री में काफी आलोचना सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म में किए गए बोल्ड सीन के कारण कई लोगों ने उनकी अभिनय क्षमता पर सवाल उठाए और उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। जरीन खान ने अपने करियर की शुरुआत वीर से की थी, जिसमें उनके साथ सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद वह हाउसफुल 2 और बाद में हेट स्टोरी 3 जैसी फिल्मों में नजर आईं। 'हेट स्टोरी 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्हें इंडस्ट्री में आलोचना का सामना करना पड़ा। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जरीन ने बताया कि फिल्म के बोल्ड सीन को लेकर कई लोगों ने उनके बारे में नकारात्मक टिप्पणियां कीं। उनका कहना था कि कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि वह अभिनय नहीं

कर सकतीं, इसलिए उन्हें इस तरह के सीन करने पड़े। अभिनेत्री के मुताबिक, इस तरह की बातों से उन्हें काफी बुरा लगा और फिल्म की सफलता के बावजूद उन्हें सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिला। फिल्म की सफलता के बाद जरीन को अक्सर 2 के लिए अप्रोच किया गया, जो 2006 में आई फिल्म अक्सर का सीक्वल थी। इस फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया था। जरीन का कहना है कि जब उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई गई थी, तब इसे एक नॉयर थ्रिलर के रूप में पेश किया गया था। लेकिन शूटिंग शुरू होने के बाद उन्हें महसूस हुआ कि फिल्म में कई ऐसे सीन शामिल किए जा रहे हैं, जिनकी जानकारी उन्हें पहले नहीं दी गई थी। अभिनेत्री के मुताबिक, सेट पर अक्सर ऐसे दृश्य जोड़े जा रहे थे जिनमें किसिंग सीन या रिवीलिंग कॉस्ट्यूम की मांग की जाती थी। उन्होंने कहा कि उन्हें बोल्ड सीन करने से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन फिल्म की स्क्रिप्ट और वास्तविक शूटिंग के बीच काफी अंतर था। इस वजह से शूटिंग के दौरान कई बार तनावपूर्ण स्थिति भी पैदा हुई। जरीन खान ने यह भी बताया कि इन सब परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने फिल्म पूरी करने का फैसला किया क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि निर्माताओं को आर्थिक नुकसान हो।

उनका कहना था कि वह काम के प्रति जिम्मेदार हैं और हमेशा किसी विवाद से बचते हुए बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हैं। हालांकि फिल्म पूरी होने तक हालात इतने खराब हो गए थे कि उन्हें अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में आमंत्रित नहीं किया गया। अभिनेत्री का यह भी दावा है कि उस समय कई रिपोर्ट्स में उन्हें 'नखरीली एक्ट्रेस' बताया गया, जबकि उनके पास ऐसे संदेश भी मौजूद हैं जिनमें निर्देशक खुद निर्माताओं की शिकायत करते दिखाई देते हैं।

कॉमेडियन जाकिर खान की सेहत को लेकर फैंस ने जताई चिंता

मशहूर कॉमेडियन जाकिर खान ने अपने स्टेज शो से लंबे समय के लिए ब्रेक लेने की घोषणा की थी, जिसके बाद उनके फैंस के बीच तरह-तरह की अटकलें लगने लगी थीं। सोशल मीडिया पर कॉमेडियन का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो देखने के बाद फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंता जता रहे हैं। दरअसल यह क्लिप जाकिर खान के छोटे भाई अरबाज खान के रमजान व्लॉग का हिस्सा है। व्लॉग में अरबाज अपने दर्शकों को उस कमरे में ले जाते हैं, जहां जाकिर भर्ती हैं। वीडियो में जाकिर मुंबई के लीलावटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती दिखाई देते हैं और उन्होंने अस्पताल का गाउन पहन रखा है, जिस पर अस्पताल का नाम भी साफ नजर आता है। वीडियो में जाकिर अपने भाई के साथ समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। दोनों अस्पताल के कमरे में बैठकर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टी20 क्रिकेट मैच का आनंद लेते नजर आते हैं। व्लॉग के एक हिस्से में जाकिर मैच पर टिप्पणी करते हुए कहते हैं, 'मैच अभी फंसा हुआ है।' इस हल्के-फुल्के पल के बावजूद वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस चिंतित हो गए और लगातार उनकी सेहत के बारे में सवाल पूछने लगे। वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने कमेंट करके उनके जल्द स्वस्थ होने

की कामना की। सोशल मीडिया पर 'गेट वेल सून' जैसे संदेशों की भरमार देखने को मिली। फैंस का कहना है कि वे अपने पसंदीदा कॉमेडियन को जल्द से जल्द स्वस्थ होकर मंच पर लौटते देखना चाहते हैं। जाकिर खान के अस्पताल में होने की चर्चा इसलिए भी तेज हो गई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में अपने स्टैंडअप करियर से लंबा ब्रेक लेने की घोषणा की थी। जनवरी में हैदराबाद में एक शो के दौरान उन्होंने दर्शकों को बताया था कि वह कुछ समय के लिए परफॉर्मिंग से दूर रहना चाहते हैं। कॉमेडियन ने उस दौरान कहा था कि वह लंबा ब्रेक लेने की योजना बना रहे हैं, जो संभवतः 2028, 2029 या 2030 तक चल सकता है।

खेल समाचार

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के लिए पेश की नई जर्सी

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले अपनी नई जर्सी लांच की है। इस दौरान कप्तान रियान पराग, आक्रामक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और

स्पिनर रवि बिश्नोई भी उपस्थित थे। आईपीएल में इस नई जर्सी से टीम नये उत्साह से उतरेगी। 28 मार्च से शुरू हो रहे इस सत्र के लिए टीम नये कप्तान पराग के साथ जीत के इरादे से उतरेगी। राजस्थान ने सोशल मीडिया पर अपनी जर्सी लॉन्च किसे जाने की घोषणा भी की है। इस नई जर्सी में नीले और गुलाबी रंग को मिलाया गया है। जर्सी की तस्वीरों के साथ ही रॉयल्स ने लिखा, 'नया लुक, वही हल्ला बोल जर्सी, लॉन्च हो गई।'रॉयल्स 30 मार्च को पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। रॉयल्स अपने शुरुआती तीन घरेलू मैच अपने वैकल्पिक मैदान गुवाहाटी में खेलेगी। बीसीसीआई टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों का कार्यक्रम भी जारी करेगी। वैभव राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी की लॉन्चिंग के समय पराग के साथ नजर आये। उसे अपना पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है। इसके बाद टीम 4 अप्रैल को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम गुवाहाटी 7 अप्रैल को पांच बार के विजेता मुंबई इंडियंस और 10 अप्रैल को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी। राजस्थान रॉयल्स के शुरुआती चार में से तीन मैच घरेलू मैदान पर हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स शुरुआती बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और वह 9वें पायदान पर रही थी।

कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे,ईशान किशन करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल के 19 सत्र के शुरुआती मैचों में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की कप्तानी में खेलेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के पूरी तरह से फिट नहीं होने से ईशान को कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा उप-कप्तानी करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के अनुसार जैसे ही कमिंस वापसी करेंगे। वह टीम की कप्तानी संभाल लेंगे। अभी यह पता नहीं चला है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेलेंगे पर माना जा रहा है कि वह 23 मार्च को टीम से जुड़ेंगे। वह फ्रेंचाइजी के साथ रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजरने के दौरान सत्र के पहले तीन मैचों से बाहर रहेंगे। टीम अपना शुरुआती मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी।

लियोनेल मेसी के 900वें गोल के बावजूद मियामी कॉनकाकाफ चैंपियंस कप से बाहर

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी पेशेवर फुटबॉल में 900 गोल करने वाले इतिहास के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। मेसी ने नैशविले एससी के खिलाफ इंटर मियामी के कॉनकाकाफ चैंपियंस कप मैच में अपना ऐतिहासिक गोल किया। हालांकि इस गोल के बावजूद मेसी की टीम कॉनकाकाफ चैंपियंस कप से बाहर हो गई। मेसी ने नैशविले के खिलाफ कॉनकाकाफ चैंपियंस कप के आखिरी-16 के दूसरे लेग के मैच में जियोडिस पार्क में अपने प्रोफेशनल करियर का 900वां गोल किया। यह गोल उन्होंने मैच के 7वें मिनट में किया। अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने अपना आठवां कॉनकाकाफ चैंपियंस कप गोल किया और इंटर मियामी के लिए दो गोल में असिस्ट भी कर

चुके हैं। मेसी अब क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ 900 या उससे ज्यादा गोल करने वाले दुनिया के मात्र दूसरे फुटबॉलर हो गए हैं। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में क्रोएशिया के खिलाफ पुर्तगाल के लिए खेलते हुए अपने 900 गोल पूरे किए थे। 38 साल के अर्जेंटीना के स्ट्राइकर मेसी ने राष्ट्रीय टीम के अलावा मियामी, एफसी बार्सिलोना, पेरिस सेंट-जर्मेन के लिए गोल किए हैं। मेसी ने आठ बार बैलन डी'ओर जीता है। 2012 में, उन्होंने एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा गोल (91) करने का रिकॉर्ड बनाया था, जिसमें बार्सिलोना के लिए 79 और अर्जेंटीना के साथ 12 गोल थे। वह सिर्फ 123 मैचों में 100 चैंपियंस लीग गोल करने वाले सबसे तेज खिलाड़ी भी हैं। मेसी के ऐतिहासिक गोल के बावजूद, इंटर मियामी कॉनकाकाफ चैंपियंस कप से बाहर हो गई क्योंकि कुल स्कोर 1-1 से बराबर रहा, लेकिन नैशविले अवे गोल नियम से आगे बढ़ गया। पहले लेग में गोललेस ड्रॉ के साथ, नैशविले एससी को अगर अवे गोल करने का मौका मिलता तो थोड़ी बढ़त मिल जाती। मेसी ने सातवें मिनट में ब्रायन श्वाके को छकाते हुए बाएं पैर से शॉट मारकर इंटर मियामी को कुल स्कोर पर 1-0 से आगे कर दिया। विजिटर्स ने 74 वें मिनट में क्रिस्टियन एस्पिनोजा के गोल की मदद से बराबरी की। नैशविले एससी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गया, जिससे कॉनकाकाफ चैंपियंस कप में क्लब के लिए एक नया सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड बना।

आईपीएल 2026...दिल्ली कैपिटल्स में जॉन मूनी की एंट्री फील्डिंग कोच बनाए गए

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने के लिए प्रयासरत दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी कोचिंग टीम को और मजबूत किया है और आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को फील्डिंग कोच के रूप में नियुक्त किया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2, और 1 कोचिंग सर्टिफिकेट प्राप्त जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स में ज्ञानेश्वर राव और एंटोन रॉक्स की जगह लेंगे। दोनों आईपीएल 2025 के बाद टीम से अलग हो गए थे। जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स की पहले से मजबूत कोचिंग टीम को और मजबूती देंगे। दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम में हेमंग बदानी (हेड कोच), मुनाफ पटेल (बॉलिंग कोच), इयान बेल

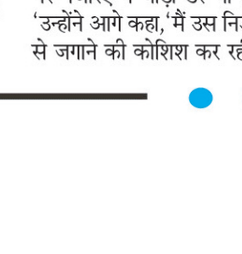

शामिल हैं। वेणुगोपाल राव टीम के डायरेक्टर हैं। जॉन मूनी के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोचिंग का अनुभव है। वह 2018 से 2019 के बीच अफगानिस्तान के फील्डिंग कोच रहे हैं। इसी दौरान अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज की पुरुष टीम के साथ भी काम किया था। इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के अस्थायी कोच हैं। 44 साल के जॉन मूनी ने आयरलैंड के लिए 2006 से 2015 के बीच 64 वनडे और 27 टी20 मैच खेले। बाएं हाथ से बल्लेबाजी करने वाले मूनी ने वनडे की 55 पारियों में 14 बार नाबाद रहते हुए 3 अर्धशतक लगाते हुए 963 रन बनाए।

दिनेश कार्तिक के घर फिर गूंजी किलकारी पत्नी दीपिका ने बेटी को दिया जन्म

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल के घर बेटी का जन्म हुआ है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। कपल ने सोशल मीडिया पर लिखा,'हमारे दिलों में दुआओं और शब्दों से परे शुक्रिया के साथ, हम खुशी-खुशी अपनी प्यारी बेटी का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी छोटी बहन, 'राहा पल्लीकल कार्तिक' को परिचित कराते हुए बहुत खुश हैं। प्यार, दीपिका और दिनेश। ' इस कपल ने 25 अगस्त, 2015 को पारंपरिक हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों से शादी की और 2021 में उनके जुड़वां बच्चे हुए। दिनेश कार्तिक एक बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और देश के लिए तीनों ही फॉर्मेट में खेल चुके हैं। कार्तिक को बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को निदाहास ट्रॉफी में चैंपियन बनाने के लिए हमेशा याद किया जाता है। वह 2007 टी20 विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के भी सदस्य रहे हैं।

अपने 100वें टी20 मैच से पहले बेखौफ अंदाज में वापसी को तैयार उप-कप्तान एशले गार्डनर

नई दिल्ली,19 मार्च 2026। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान एशले गार्डनर अपने करियर की शुरुआत वाले उस निडर अंदाज को फिर से अपना रही हैं, जिसने उन्हें पहचान दिलाई थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड में होने वाले आईसीसी विमेंस टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी कर रही है। यह ऑलराउंडर इस बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी बेहतरीन फॉर्म हासिल करने का लक्ष्य बना रही हैं। गार्डनर 100 टी20 इंटरनेशनल मैच पूरे करने से महज एक कदम दूर हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम जब सेंट विंसेंट में वेस्टइंडीज का सामना करेगी, तो गार्डनर टी20

मैचों का शतक लगाने वाली सातवीं ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। इस बीच टीम हाल ही में सेमीफाइनल में मिली निराशाओं को पीछे छोड़ने के लिए बेताब होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में मेजबान भारत से मिली हार मिली थी, जबकि उसे विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी तरह टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। गार्डनर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कहा, 'मैं पहले ऐसी खिलाड़ी थी जिसे कोई डर नहीं लगता था। लेकिन मुझे लगता है कि जैसे-जैसे मैं बड़ी और ज्यादा समझदार होती गई, जिंदगी और आमतौर पर क्रिकेट के प्रति मेरे नजरिए में थोड़ा डर भी शामिल हो गया है। 'उन्होंने आगे कहा,'मैं उस निडरता को थोड़ा फिर से जगाने की कोशिश कर रही हूं।

CMYK

20 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/19/2026 11:04 PM Page 8

छत्तीसगढ़ में अब धर्मांतरण कराने पर उम्रकैद...

विधानसभा में धर्म स्वतंत्रता बिल पास,25 लाख जुर्माना लगेगा,मददगारों को भी होगी जेल

रायपुर,19 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 पास हो गया है। अवैध तरीके से धर्मांतरण कराने के मामलों में दोषी पाए जाने पर 7 से 10 साल तक की जेल और कम से कम 5 लाख रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। यदि पीड़ित नाबालिग,महिला,अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग से हो,तो सजा बढ़ाकर 10 से 20 साल तक की जेल और न्यूनतम 10 लाख जुर्माना देना होगा। वहीं,सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में 10 साल से लेकर आजीवन कारावास होगी। कम से कम 25 लाख रुपए जुर्माना लगेगा। गृहमंत्री विजय शर्मा द्वारा पेश किया गया यह नया विधेयक वर्ष 1968 के पुराने कानून की जगह लेगा,जिसे सरकार ने वर्तमान तकनीक और सामाजिक परिस्थितियों के लिहाज से नाकाफी माना है। सरकार के अनुसार इस बिल का मकसद बल,प्रलोभन,धोखाधड़ी या गलत जानकारी देकर कराए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाना है। सदन में बिल के पास होते ही बीजेपी विधायकों ने जय श्री राम के नारे लगाए। वहीं विपक्ष ने इस बिल का विरोध किया और वॉकआउट कर दिया था। विपक्ष का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों के साथ-साथ सभी दलों के विधायकों की राय ली जानी चाहिए। सदन में यह बिल ध्वनि मत से पास हुआ।

संविधान के तहत राज्य सरकार को कानून बनाने का अधिकार : वहीं, भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार के समय भी ऐसा कानून लागू किया गया था, इसलिए इसे गलत बताना ठीक नहीं है। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है,जिससे राज्य इस तरह का कानून नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत कानून बनाने का अधिकार राज्य सरकार को है और यह बिल पूरी तैयारी और चर्चा के बाद लाया गया है। सदन की कार्यवाही चला रहे धर्मलाल कौशिक ने कांग्रेस की आपत्तियों को खारिज कर दिया और बिल पेश करने की अनुमति दे दी।

विपक्ष ने किया धर्म स्वतंत्रता बिल का विरोध

धर्म स्वतंत्रता बिल पेश होते ही नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कानून देश के कई राज्यों में पहले से हैं और मामला सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है, इसलिए इस बिल को जल्दबाजी में पास नहीं किया जाना चाहिए। महंत ने मांग की कि बिल को सेलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाए, ताकि इस पर विस्तार से चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों के साथ-साथ सभी दलों के विधायकों की राय ली जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा कोई फैसला नहीं होना चाहिए, जिससे समाज में विभाजन बढ़े। महंत ने संविधान और सहिष्णुता का हवाला देते हुए नेताओं और समाज सुधारकों के विचारों का जिक्र किया।

विजय शर्मा बोले...भाग रहा विपक्ष

इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया और पूरे दिन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। इस पर विजय शर्मा ने कहा कि यह वॉकआउट नहीं बल्कि भागना है। यह बिल पिछले हफ्ते ही राज्य कैबिनेट से मंजूर हुआ था। सरकार का कहना है कि इसमें 1968 के कानून को और मजबूत किया गया है और धर्मांतरण के नए तरीकों, जैसे डिजिटल और आर्थिक प्रलोभन, को भी शामिल किया गया है। फिलहाल राज्य में 'छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 1968' लागू है, जिसे राज्य बनने के बाद मध्य प्रदेश से अपनाया गया था।

नेता प्रतिपक्ष बोले... त्योहार के दिन छुट्टी नहीं

सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद सभापति धरमलाल कौशिक, डिप्टी सीएम अरुण साव और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने चैत्र नवरात्रि,गुड़ी पड़वा और हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

चरणदास महंत–लोकसभा में सत्र चल रहा था, लेकिन आज वहां अवकाश दिया गया। हम हिन्दू राष्ट्र की कल्पना कर रहे हैं, शायद इसी सोच के तहत वहां छुट्टी दी गई। हम यहां ऐसा नहीं कर पाए,इसका मुझे दुख है।

आयुष्मान कार्ड की प्रोत्साहन राशि में अनियमितता का मामला

- **कांग्रेस एमएलए कुंवर सिंह निषाद –** जवाब में कहा गया है कि किसी तरह की अनियमितता नहीं पाई गई,लेकिन वहां के कम्प्यूटर ऑपरेटरों ने आवेदन देकर खुद स्वीकार किया है कि डॉक्टरों के दबाव में उनके खातों में आयुष्मान की प्रोत्साहन राशि डाली गई। उस समय तत्कालीन अधिकारी डॉ. सोनी थे,क्या उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
- **स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल –** सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अर्जुन्दा की शिकायत स्वयं विधायक द्वारा दर्ज कराई गई थी। इस पर विभाग ने तीन सदस्यीय समिति बनाकर जांच कराई। जांच के बाद मामला निरस्त कर दिया गया और किसी भी प्रकार की आर्थिक अनियमितता नहीं पाई गई। किसी डॉक्टर द्वारा जानबूझकर ऐसा नहीं कराया गया।
- **कुंवर सिंह निषाद –** वहां का पूरा स्टाफ थाने गया था और शिकायत की थी कि उनके आईडी-पासवर्ड का उपयोग कर डॉक्टर के खाते में पैसे डाले गए। ट्रांजेक्शन भी हो गया था। एफआईआर के बाद पैसा जिले में आया और फिर शिकायत के बाद उसे होल्ड कर दिया गया। कर्मचारियों ने स्पष्ट कहा है कि डॉक्टर बोरकर के कहने पर यह किया गया।
- **श्याम बिहारी जायसवाल –** यह गलत एंट्री का मामला था,भुगतान नहीं हुआ था। यह इतना बड़ा मामला नहीं था कि इस पर एफआईआर दर्ज कराई जाती।
- **कुंवर सिंह निषाद –** यह आर्थिक अनियमितता का मामला है। मैं पहले की जांच से संतुष्ट नहीं हूं। क्या इस पर फिर से जांच समिति बनाई जाएगी और उसमें मुझे शामिल किया जाएगा।
- **श्याम बिहारी जायसवाल –** किसी के खाते में पैसा आया ही नहीं। प्रक्रिया जिला स्तर से आगे बढ़ी ही नहीं, वहीं से वापस कर दी गई।
- **कांग्रेस एमएलए देवेन्द्र यादव –** मंत्री ने खुद कहा कि पैसा जिला स्तर तक ट्रांसफर हुआ। यह आर्थिक अनियमितता का मामला है और इसे योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया गया। क्या इस पर एफआईआर की जाएगी।
- **श्याम बिहारी जायसवाल –** नहीं।
- **कांग्रेस एमएलए उमेश पटेल –** मंत्री कह रहे हैं कि वित्तीय अनियमितता नहीं हुई, लेकिन स्टाफ खुद थाने जाकर एफआईआर कर चुका है। इसमें क्या कार्रवाई हुई, यह बताएं। यह 420 का मामला है।
- **श्याम बिहारी जायसवाल –** किसी को बचाया नहीं जा रहा है। विभाग की जानकारी में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस बनाएगी आदिवासी सलाहकार परिषद,धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को लेकर 20 साल तक बिल लंबित क्यों रखा : दीपक बैज

रायपुर,19 मार्च 2026। दिल्ली दौरे से लौटे छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने रायपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए कई अहम मुद्दों पर बयान दिया। उन्होंने दिल्ली में हुई बैठकों की जानकारी देते हुए आदिवासी हित,कानून व्यवस्था, धर्म स्वातंत्र्य विधेयक और परीक्षा घोटालों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। दीपक बैज ने बताया कि दिल्ली में आदिवासी कांग्रेस राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की बैठक आयोजित की गई,जिसमें देशभर के आदिवासी नेता शामिल हुए। बैठक में आदिवासियों के हितों के संरक्षण, लीडरशिप डेवलपमेंट और उन्हें मुख्यधारा में आगे बढ़ाने जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी सलाहकार परिषद का गठन किया गया है और इसी तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी राज्य स्तरीय परिषद बनाई जाएगी। यह परिषद आदिवासी मुद्दों का अध्ययन कर पीसीसी को रिपोर्ट सौंपेगी। बैज ने यह भी बताया कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे इस पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग करेंगे। साथ ही फॉरेस्ट राइट एक्ट और पेसा कानून को मजबूत करने पर भी गहन चर्चा हुई। धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को लेकर बैज ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह बिल बीजेपी की सरकार ने 2006 में लाया था और 2006 से 2018 तक बीजेपी की सरकार रही। उन्होंने पूछा कि '20 साल तक बिल लंबित क्यों रखा गया और अब राज्यपाल द्वारा वापस भेजे जाने का क्या कारण है? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। '

चरमरा गई है कानून व्यवस्था : प्रदेश में बढ़ती चाकूबाजी की घटनाओं को लेकर दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही कमिश्नरी प्रणाली का विरोध करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां-जहां यह प्रणाली लागू हुई, वहां यह पूरी तरह फेल साबित हुई है। बैज ने कहा,छत्तीसगढ़ में फेल सिस्टम लागू करने का क्या मतलब है? कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नशे का कारोबार बढ़ रहा है और अफीम की खेती तक होने लगी है।

परीक्षा प्रणाली पर भ्रष्टाचार के आरोप

व्यावसायिक परीक्षा से जुड़े विधेयक पर भी बैज ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में हर परीक्षा में भ्रष्टाचार हो रहा है। पुलिस,फॉरेस्ट समेत कई भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। बैज ने सवाल उठाया कि 12वीं की परीक्षा से एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? अब तक सरकार ने क्या कार्रवाई की?' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और अपने लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है।

हिंदू नववर्ष पर भगवामय हुआ बिलासपुर...

निकली भव्य शोभायात्रा,राम-हनुमान की झांकियों ने मोहा मन

बिलासपुर,19 मार्च 2026। बिलासपुर में नवरात्रि पर्व के पहले दिन हिंदू नववर्ष को लेकर खासा उत्साह दिखा। हिंदवादी संगठनों और सनातनियों ने पूरे शहर को राममय और भगवा रंग में सजाया। पुलिस ग्राउंड में शाम 5 बजे जब शोभायात्रा शुरू हुई,तब वहां शहर के हर मोहल्ले से पदाधिकारी-कार्यकर्ता डीजे और भजन-कीर्तन मंडली के साथ ढोल-तासे लेकर पहुंचे थे। पुलिस ग्राउंड में भी चारों तरफ भगवाधारी और ध्वज नजर आ रहे थे। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकी के साथ ही श्याम खाटू और रामभक्त हनुमान भी नजर आ रहे थे। जिसमें 17 फीट भगवान श्रीराम, बनारस के हनुमानजी, 10 बग्घियों में सवार देवी मां नजर आईं। वहीं,रामधुन मंडली,चलित ऑर्केस्ट्रा, ढोल-बैंड, रामपुर का कर्मा नृत्य, पंथी नृत्य और रावत नाचा से माहौल भक्तिमय रहा। ऐसा लग रहा था कि पूरा शहर उत्सव मनाते नजर आ रहा है। पुलिस ग्राउंड से शोभायात्रा सत्यम चौक, पुराना बस स्टैंड होते हुए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर निकली। तब शहर के हर चौक-चौराहे भक्तिमय माहौल से सराबोर हो गए।

झांकी के आगे-आगे लगाते रहे झाड़ू, झूमते नजर हनुमान जी : शोभायात्रा में भगवान राम के साथ रामभक्त हनुमान की झांकी भी निकली। झांकी में हनुमान जी पैदल चल रहे थे। इस माहौल को देखकर रामभक्त हनुमान भी भक्ति में झूमते नजर आए। झांकी के आगे-आगे युवाओं की टीम सड़क पर झाड़ू लगाते जा रहे थे। यात्रा में क्रेन को तोरण पताका के अलावा बड़े-बड़े फ्लैक्स और बैनर से सजाया गया था, जो आकर्षक का केंद्र बना रहा।

शोभायात्रा में रहे वालंटियर : शोभायात्रा की व्यवस्था 150 वालंटियर वॉकी-टॉकी से की। शोभायात्रा की खास बात यह रही कि इसमें खाटू श्याम की भव्य झांकी भी निकाली गई। इसे फूलों से सजाने के लिए कोलकाता से विशेष कारीगर बुलाए गए थे। खाटू श्याम के साथ निशान लेकर भक्त शोभायात्रा में शामिल हुए, जिन्हें तिलक नगर हनुमान मंदिर में अर्पित किया गया। पुलिस मैदान से निकलकर सत्यम चौक, अग्रसेन चौक, सीएमडी चौक, राजीव गांधी चौक, शिव टॉकीज चौक, गांधी चौक, जूना बिलासपुर, गोलबाजार, सदर बाजार और देवकी नंदन चौक होते हुए तिलक नगर हनुमान मंदिर पहुंची। यहां महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को 21 क्विंटल प्रसाद वितरित किया गया।

भगवा रंग से सजा चौक-चौराहा

शोभायात्रा को लेकर चौक-चौराहों को हिंदूवादी संगठन, सनातनियों के साथ ही डॉक्टर और समाज के लोगों ने भगवा कपड़े से सजाया है। शोभायात्रा की शुरुआत में 20 से अधिक पंडित श्रद्धालुओं को तिलक लगाते रहे। इस वर्ष शोभायात्रा में 17 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा अगुवानी करेगी, वहीं 12 फीट के भगवान गणेश भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा बनारस से भगवान हनुमान की विशेष झांकी लाई गई। शोभायात्रा के साथ 10 बग्घियों में जीवंत झांकियां भी शामिल रही। कार्यक्रम में तखतपुर का अखाड़ा, रामधुन मंडली, चलित ऑर्केस्ट्रा, ढोल-बैंड, रामपुर का कर्मा नृत्य, पंथी नृत्य और रावत नाचा भी शामिल रहे। साथ ही शोभायात्रा में महारानी लक्ष्मीबाई और महाराणा प्रताप घोड़े पर सवार होकर चलते हुए दिखाई दी।

छत्तीसगढ़ के आईएएस अधिकारी डॉ. रवि मित्तल पीएमओ में बने उपसचिव

रायपुर,19 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और 2016 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. रवि मित्तल को केंद्र सरकार ने प्रतिनियुक्ति पर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उप सचिव नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने आज गुरुवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। यह नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से चार वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक प्रभावशील रहेगी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के आदेश में कहा गया है कि डॉ. रवि मित्तल का कार्यकाल चार वर्षों का होगा, जो उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगा। हालांकि, प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए कार्यकाल में परिवर्तन की संभावना भी रखी गई है। फिलहाल, उनकी यह नई जिम्मेदारी केंद्र में उनके आगे के प्रशासनिक सफर को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। जारी आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एआईसीसी) ने आईएएस रवि मित्तल (छत्तीसगढ़ कैडर-2016) को प्रधानमंत्री कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त करने की स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि आईएएस रवि मित्तल वर्तमान में छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही वे मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव की भूमिका भी निभा रहे हैं।

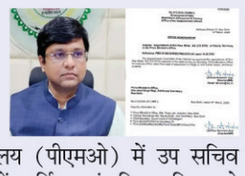

खेत में मिली युवती की जली लाश अगले महीने होने वाली थी शादी

बालोद,19 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में युवती की जली लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना पर पुलिस, साइबर क्राइम की टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट मौके पर पहुंचे हैं। पूरा मामला अर्जुन्दा थाना क्षेत्र के ग्राम चिचा का है। बताया जा रहा कि अगले महीने युवती की शादी होने वाली थी। पुलिस मामले की जांच कर रही। युवती की पहचान चिचा निवासी लीलेश्वरी साहू (22 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह गांव से करीब 200 मीटर दूर एक खेत के किनारे ग्रामीणों ने जली हुई लाश देखी, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। कुछ देर बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव देखकर युवती की पहचान की।

रामकृष्ण हॉस्पिटल हादसे पर बैठक...राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष गिल बोले...

दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई,सफाईकर्मियों को जागरूक करने के दिए निर्देश

रायपुर,19 मार्च 2026। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने रेडक्रॉस सभाकक्ष में बैठक ली, जिसमें जिला प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। गिल ने कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में हुए हादसे में मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता दिलाई जाएगी एवं न्याय मिलेगा। घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए 2 मिनट का मौन भी रखा गया। हरदीप गिल ने कहा, सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्रथमिकता होनी चाहिए। उनके कल्याण के लिए भारत सरकार और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग प्रतिबद्ध है। उन्होंने रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में हुई घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शी,परिजन,हॉस्पिटल प्रबंधन एवं प्रशासन से जानकारी ली और कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार मैनुअल स्कैवेजिंग पूर्ण रूप से प्रतिबंध है। ऐसा कराए जाने पर जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी संस्था में सीवरेज सफाई कराई जानी है तो नगर निगम प्रशासन को सूचित करें और सुरक्षा के सभी मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

सफाईकर्मियों को जागरूक करने लगाया जाएगा कैंप : गिल ने कहा, न्यूनतम वेतन से कम किसी भी सफाईकर्मी को मजदूरी राशि प्रदान नहीं की जानी चाहिए, इसे कड़ाई से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि जागरूकता कैंप का आयोजन किया जाए और सफाईकर्मियों को सुरक्षा के मानकों के प्रति जागरूक किया जाए। पर्याप्त संख्या में पीपीई किट हो एवं जिला और सब डिवीजन स्तर पर सतर्कता समिति की बैठक की जाए। समय-समय पर सफाईकर्मियों के स्वाथ्य की जांच की जाए और हर 6 महीने में मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट प्रदान करें। यदि कोई अनफिट या बीमार हो तो उनके स्थान पर संबंधित की सहमति लेकर परिजनों में से किसी व्यक्ति को नौकरी पर रखा जाए। सभी सफाईकर्मियों का परिचय पत्र अनिवार्य रूप से बनाया जाए और ब्लड ग्रुप अंकित किया जाए।

जिनके पास घर नहीं उन्हें पीएम आवास के तहत मकान देने के निर्देश : उन्होंने परिजनों से बातचीत की और जिनके पास मकान नहीं है उन्हें प्रधानमंत्री आवास के तहत मकान देने का भी निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन को एफआईआर में एट्रोसिटी एक्ट के प्रावधानों को शामिल करने के लिए कहा। गिल ने कहा कि रामकृष्ण अस्पताल प्रबंधन ने जो मुआवजा देने सहित राहत का आश्वासन दिया है उसे लिखित में आयोग एवं प्रशासन को प्रदान करें। यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में रात में इस प्रकार के सफाई कार्य न हों, हॉस्पिटल में गैस निकलने के लिए इंतजाम किया जाए। गिल ने नगर निगम रायपुर को निर्देशित किया कि शहर के अन्य अस्पताल सहित सभी संस्थानों में सीवेज का एनओसी लिया जाए।

छत्तीसगढ़ के 24 जिलों में फायर स्टेशन का अभाव हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा एक्शन प्लान

बिलासपुर,19 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य में फायर स्टेशनों की भारी कमी और अग्निशमन व्यवस्था में व्याप्त खामियों पर कड़ी चिंता जताई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई और भविष्य के लिए स्पष्ट 'एक्शन प्लान' पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 4 मई को तय की गई है। शासन द्वारा कोर्ट में पेश किए गए शपथपत्र के अनुसार, वर्तमान में प्रदेश के केवल 9 जिलों–दुर्ग, नवा रायपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव और कबीरधाम–में ही पूर्ण रूप से फायर स्टेशन संचालित हैं। शेष जिलों में अभी भी होमगार्ड परिसर से अस्थाई रूप से काम चलाया जा रहा है। हालांकि, शासन ने बताया कि बिलासपुर और उरला-सिलतरा में निर्माण कार्य जारी है, जबकि 7 अन्य जिलों (जशपुर, महासमुंद, कोरिया, दंतेवाड़ा, कांकेर, बलौदाबाजार, धमतरी) में टेंडर प्रक्रिया चल रही है। हैरानी की बात यह है कि बिलासपुर में फायर स्टेशन निर्माण की मंजूरी साल 2020 में ही मिल गई थी,लेकिन जिला प्रशासन पिछले चार वर्षों में इसके लिए उपयुक्त जमीन नहीं खोज पाया है। मोपका सब-स्टेशन में लगी आग के बाद यह मुद्दा फिर गरमाया था। शासन ने कोर्ट को बताया कि शहर के भीतर जमीन न मिलने के कारण रिस्पॉन्स टाइम बढ़ जाता है। अब सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे उपयुक्त स्थान पर कम से कम 2 एकड़ जमीन उपलब्ध कराएं। आंकड़ों के अनुसार, पूरे राज्य में मात्र 147 फायर फाइटिंग वाहन उपलब्ध हैं।

महासमुंद में लग्जरी-कार से 25 लाख कैश बरामद

युवक बोला-रायपुर में फ्लैट खरीदने जा रहा था,नगदी और कार-मोबाइल जब्त,पुलिस ने हिरासत में लिया

महासमुंद,19 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक लग्जरी कार से 25 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पटेवा थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे-53 पर ग्राम जोगीडीपा के पास की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक वाहन में बड़ी मात्रा में नकदी ले जाई जा रही है। इस सूचना के आधार पर, चेकिंग के दौरान पिथौरा की ओर से आ रही काले रंग की मारुति ग्रैंड विटारा (क्रमांक ओडी 15 एए 5080) को रोका गया। वाहन चालक की पहचान मोहित आनंद (26), निवासी बुधाराजा, संबलपुर (ओडिशा) के रूप में हुई। तलाशी लेने पर कार की बीच वाली सीट पर रखे एक बैग से 500-500 रुपए के नोटों के 50 बंडल,कुल 25 लाख रुपए नकद मिले।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)